CNEWS सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-106
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

उम्मीद रखना ऊँची उड़ानों की छांव में ना खो जाना तुम, ठोकरों से सीख लेना ज़रा सफर जारी रखना तुम।

सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

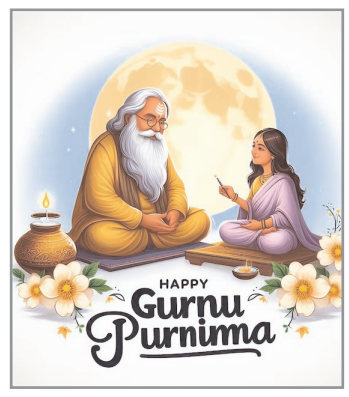

गुरु पूर्णिमा की हार्दिक शुभकामनाएं

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, रविवार 21 जुलाई 2024

सिंगल कॉलम

एनटीए ने नीट-यूजी के केंद्रवार और शहरवार परिणाम घोषित किए

नई दिल्ली। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) के केंद्रवार और शहरवार परिणाम शनिवार को घोषित कर दिए। यह परीक्षा कथित अनियमितताओं को लेकर जांच के घेरे में है। नीट-यूजी के परिणाम पांच जून को घोषित किए गए थे, लेकिन सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद इन्हें इस प्रारूप में प्रकाशित किया गया है। सुप्रीम कोर्ट प्रश्नपत्र लीक सहित परीक्षा कराने में कथित अनियमितताओं के संबंध में कई याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा है। न्यायालय ने अपने आदेश में कहा था कि अभ्यर्थियों की पहचान उजागर नहीं करते हुए परिणाम घोषित किए जाएं। उसने कहा था कि वह यह पता लगाना चाहता है कि कथित विवादित केंद्रों पर परीक्षा देने वाले अभ्यर्थियों को अन्य स्थानों पर परीक्षा देने वाले अभ्यर्थियों की तुलना में अधिक अंक तो नहीं मिले हैं। इस मामले में अगली सुनवाई 22 जुलाई को होगी। नीट-यूजी परीक्षा पांच मई को 571 शहरों के 4,750 केंद्रों पर आयोजित की गई थी, जिनमें 14 विदेशी शहर भी शामिल हैं। इसमें 24 लाख से अधिक अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया था।

यूपीएससी सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा के नतीजे घोषित

नई दिल्ली। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने शनिवार को रोल-नंबर के आधार पर सिविल सेवा परीक्षा - प्रारंभिक के नतीजे घोषित कर दिए हैं। यूपीएससी सीएसई मुख्य परीक्षा के लिए योग्य घोषित उम्मीदवारों के नतीजे नाम और रोल नंबर के आधार पर आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध करा दिए गए हैं। यूपीएससी प्रारंभिक परीक्षा में कुल 14,627 उम्मीदवार को सफल घोषित किया गया है। ये उम्मीदवार यूपीएससी सीएसई मुख्य परीक्षा में बैठने के पात्र हैं। यूपीएससी ने यूपीएससी सीएसई 2024 के लिए बेंचमार्क विकलांगता श्रेणी (पीडब्ल्यूबीडी) वाले व्यक्तियों के लिए आरक्षित 40 रिक्तियों सहित लगभग 1,056 रिक्तियों की घोषणा की। यूपीएससी आईएएस प्रारंभिक परीक्षा के परिणाम 1 जुलाई को घोषित किए गए थे और योग्य उम्मीदवारों को 12 जुलाई तक यूपीएससी सीएसई मुख्य परीक्षा 2024 के लिए विस्तृत आवेदन पत्र- क (डीएएफ- क) जमा करने के लिए कहा गया था। सीएसई अंक, कट-ऑफ अंक और प्रारंभिक परीक्षा की उत्तर कुंजी भी आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई थी। परीक्षा कैलेंडर के अनुसार, यूपीएससी सीएसई मेन्स परीक्षा संभावित रूप से 20 सितंबर को आयोजित होने वाली है। मुख्य परीक्षा उत्तीर्ण करने वालों को आगे के चयन के लिए व्यक्तित्व परीक्षण या साक्षात्कार दौर में शामिल होना होगा।

दिल्ली की अदालत में एआई की एंट्री, हाईकोर्ट में पहला पायलट हाइब्रिड कोर्ट रूम शुरू

नई दिल्ली। दिल्ली की अदालत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) ने दस्तक दे दी है। दिल्ली हाई कोर्ट में स्पीच टू टेक्स्ट फैसिलिटी से पहले आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पायलट हाइब्रिड कोर्ट रूम का उद्घाटन किया गया है। इससे जजों का काम आसान होगा। जज फैसला सुनाएगा तो उसे एआई डिक्टेशन लेगा यानी रिकॉर्ड करेगा और टाइप करेगा। इससे समय की बचत होगी, साथ ही जजों और कोर्ट कर्मचारियों, विशेषकर टाइपिस्ट की कार्य क्षमता में बढ़ोतरी होगी। दिल्ली हाई कोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति मनमोहन ने तीस हजारी कोर्ट में पहले एआई-सुसज्जित पायलट हाइब्रिड कोर्ट रूम का उद्घाटन किया। उन्होंने एक डिजिटल कोर्ट ऐप भी लॉन्च किया। इस मौके पर जस्टिस मनमोहन ने कहा कि कानूनी व्यवस्था को बेहतर बनाने और न्याय देने में देरी को कम करने के लिए तकनीक का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। पायलट हाइब्रिड कोर्ट में साक्ष्य रिकॉर्डिंग के लिए स्पीच-टू-टेक्स्ट सुविधा है और डिजिटल कोर्ट एप्लिकेशन न्यायिक अधिकारी सभी ई-फाइल किए गए मामलों तक पहुंच सकते हैं।

न्याय में इतनी देरी : बैंक ऑफ बड़ौदा धोखाधड़ी मामले में सीबीआई की ढीली जांच के कारण दर्ज नहीं हुए गवाहों के बयान

भ्रष्टाचार से जुड़े 34 साल पुराने मामले में आरोपी बरी

नई दिल्ली। एक कहावत है कि देरी से मिला न्याय, न्याय नहीं है। हाल ही में कोर्ट के एक आदेश में यह बात सही साबित हुई। पिछले दिनों स्पेशल जज अनिल अंतिल ने 37 साल पुराने भ्रष्टाचार के मामले में आरोपी को बरी कर दिया। फैसला सुनाते हुए उन्होंने कहा कि न्याय व्यवस्था में किसी भी पक्षकार या एजेंसी की देरी, चाहे वह जांच एजेंसी हो या आरोपी द्वारा अपनाई गई गलत तरकीबें, न सिर्फ सही फैसला देने में रुकावट बनती है, बल्कि ये देरी न्याय दिलाने की कोशिशों पर भी घातक चोट करती है। यह मामला 1987 का है, जब सीबीआई ने आईएएस अधिकारी सुरेन्द्र सिंह अहलूवालिया (तत्कालीन मुख्य सचिव, नगालैंड) और तीन अन्य लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी। इनमें बैंक ऑफ बड़ौदा, कोयम्बटूर के मैनेजर वी भास्करण, अहलूवालिया के भाई और कोहिमा में बैंक ऑफ बड़ौदा के मैनेजर इंद्रजीत सिंह और न्यामो लोथा शामिल थे। इन पर धोखाधड़ी, सबूत मिटाने, भ्रष्टाचार और अन्य अपराधों के आरोप थे। उन पर आरोप था कि जुलाई 1969 से मार्च 1987 के बीच, अहलूवालिया (जो 1964 से 1969 तक भारतीय सेना में भी थे) ने भ्रष्ट और गैरकानूनी तरीकों से 67.9 लाख रुपये जमा किए। इन आरोपियों में से, अहलूवालिया को उनकी मानसिक स्थिति के कारण मुकदमे के लिए अयोग्य घोषित कर दिया गया था, भास्करण गवाह बन गए और उन्हें 1996 में माफी दे दी गई थी, इंद्रजीत को इसी साल 12 जुलाई को बरी कर दिया गया था और न्यामो लोथा की 1991 में मृत्यु हो गई। अदालत ने माना कि अभियोजन पक्ष अपने मामले को साबित करने में विफल रहा। अदालत ने कहा कि यह मामला न सिर्फ लंबे समय तक चलने वाले मुकदमे बल्कि जांच एजेंसी की जानबूझकर की गई लापरवाही और ढीली जांच के कारण भी न्याय के लिए एक ह्लक्लासिक उदाहरणह्व बन गया है। अदालत ने पाया कि पहले दिन से ही, जांच एजेंसी का इरादा कभी भी मामले को उसके तार्किक निष्कर्ष तक ले जाने का नहीं था।

सिर्फ 87 गवाहों के ही बयान दर्ज हुए

अदालत ने पाया कि अभियोजन पक्ष ने 327 गवाहों को पेश किया था, जिनमें से 48 को होटल और गेस्ट हाउस में रहने वाला बताया गया था। जाहिर है, जांच एजेंसी को पता था कि ये गवाह अदालत में पेश नहीं हो पाएंगे। वहीं, 200 से ज्यादा गवाहों की तो मौत हो चुकी थी, उनका पता बदल चुका था या बीमारी के कारण वे बयान देने में असमर्थ थे। नतीजा ये हुआ कि 1992 में मुकदमे की शुरूआत से लेकर लंबी अविध तक सिर्फ 87 गवाहों के ही बयान दर्ज हो सके। इसी दौरान, करीब 90 साल के हो चुके अहलूवालिया की मानसिक स्थिति अस्थिर और खराब हो गई और उन्हें मुकदमे का सामना करने के लिए अयोग्य घोषित कर दिया गया।

हाई कोर्ट को निचली अदालत से सालभर में मिले रिकॉर्ड

मामला मई 1997 में दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा 2000 तक रोक दिया गया था। 2008 में, हाईकोर्ट ने निचली अदालत के रिकॉर्ड मांगे, जो उन्हें 2009 में मिले। अदालत ने कहा कि दिसंबर 2000 में आरोपों पर बहस/विचार शुरू हुआ और आरोप तभी फरवरी 2008 में तय किए गए, बीच का समय आरोपियों द्वारा दायर की गई विभिन्न अर्जियों में लगा। 2019 में, दिल्ली की एक अदालत ने सीबीआई के एक मामले में अहलूवालिया को हथियार और गोला-बारूद रखने का दोषी पाया और उन्हें पांच साल के कारावास की सजा सुनाई और 1.5 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया था। हालांकि, एक अन्य अदालत ने उनकी सजा और फैसले के खिलाफ उनकी अपील को स्वीकार कर लिया था।

पूजा खेडकर विवाद के बीच यूपीएससी चेयरमैन का इस्तीफा

निजी कारणों का हवाला देते हुए पांच साल पहले ही छोड़ा पद

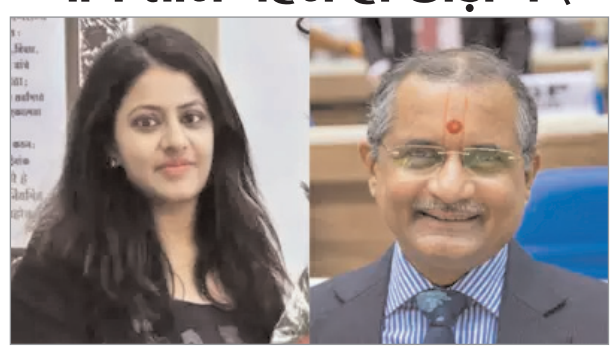

नई दिल्ली। पूजा खेडकर के विवाद के बीच यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन (यूपीएससी) के चेयरैन मनोज सोनी ने इस्तीफा दे दिया है। उनका कार्यकाल 2029 में खत्म होने वाला था। निजी कारणों का हवाला देते हुए पांच साल पहले ही उन्होंने पद छोड़ दिया है। इंडिया टुडे की रिपोर्ट में बताया गया है कि मनोज सैनी के इस्तीफे का संबंध पूजा खेडकर के विवाद से नहीं है। जानकारी के मुताबिक मनोज सोनी ने राष्ट्रपति को अपना इस्तीफा सौंप दिया है। सोनी ने 2017 में सदस्य के तौर पर कमीशन जॉइन किया था। वहीं 16 मई 2023 को वह यूपीएससी के चेयरमैन बनाए गए। द हिंदू की मानें तो एक महीने पहले ही वह इस्तीफा दे चुके हैं। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि उन्हें पदमुक्त किया जाएगा या नहीं। सरकार ने अब तक नए चेयरमैन के नाम का ऐलान भी नहीं किया है। यूपीएससी में आने से पहले वह दो विश्वविद्यालयों में कुलपति भी रह चुके हैं। माना जाता है कि सोनी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के करीबी हैं। 2005 में वह वडोदरा की एमएस यूनिवर्सिटी के कुलपति बनाए गए थे। इके बाद वह डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति बनाए गए। वह दो कार्यकाल यहां कुलपति रहे। बता दें कि यूपीएससी ही सिविल सर्विस समेत देश की प्रतिष्ठित नौकरियों की परीक्षाओं का आयोजन करता है। फिलहाल ट्रेनी आईएएस पूजा खेडकर को लेकर काफी विवाद चल रहा है। एक दिन पहले ही यूपीएससी ने बयान जारी कर कहा था कि पूजा खेडकर के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई गई है। पूजा खेडकर पर सिविल सर्विस चयन के लिए गलत सर्टिफिकेट्स लगाने का आरोप है। आरोपों में घिरने के बाद उनकी ट्रेनिंग रोक दी गई है। वहीं खेडकर की मां भी किसानों को बंदूक की नोक पर धमकाने के आरोपों में घिर गई हैं।

दिल्ली-मुंबई समेत सभी एयरपोर्ट और संस्थानों पर शुरू हुए काम

नई दिल्ली। शुक्रवार का दिन दुनियाभर के लिए काफी मुश्किल रहा। माइक्रोसॉफ्ट के सर्वर में तकनीकी खराबी आने के कारण दुनियाभर के एयरलाइंस, टीवी टेलिकास्ट, बैंकिंग और कई कापोर्रेट कंपनियों पर इसका असर पड़ा। अचानक सिस्टम बंद पड़ने लगे और स्क्रीन ब्लू हो गई। बैंक, स्टॉक एक्सचेंज और सबसे ज्यादा एयरलाइंस में सब कुछ थम गया। ये आपात स्थिति जैसा था। इसके कारण दुनियाभर में हड़कंप मच गया और मीटिंग्स का दौर शुरू हुआ। समस्या के समाधान के लिए पूरे दिन टीमें लगी रहीं। इस पूरी समस्या को ठीक करने में करीब 17 घंटे का समय लगा। इसके बाद सभी सिस्टम पूरी तरह से ठीक हुए और ऐप्स व सेवाएं बहाल हुईं। फिलहाल दिल्ली और मुंबई समेत तमाम एयरपोर्ट्स और अन्य संस्थानों में सब कुछ सामान्य हो गया है। एयरलाइंस भी पूरी तरह रिकवर हो चुकी हैं। अन्य संस्थानों और प्रभावित अस्पतालों में भी सामान्य प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। मुंबई एयरपोर्ट पर सभी फ्लाइट्स समय से उड़ान भर रही हैं। बता दें कि शुक्रवार को माइक्रोसॉफ्ट की तकनीकी खराबी के कारण तमाम एयरपोर्ट्स पर चेक-इन सिस्टम ठप हो गया था, जिसकी वजह से चेन्नई, हैदराबाद, पटना, गोवा समेत कई एयरपोर्ट्स पर मैनुअल चेक इन शुरू हुई। इसकी वजह से अकासा एयर, स्पाइसजेट, इंडिगो, एयर इंडिया समेत तमाम एयरलाइंस का काम प्रभावित हुआ। इंडिगो ने 192 फ्लाइट्स कैंसिल कीं, तमाम फ्लाइट्स डिले हुईं। इसको लेकर अन्य एयरलाइंस को एडवायजरी जारी करनी पड़ी थी। केंद्रीय विमानन मंत्री राम मोहन नायडू ने भी अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर जानकारी देते हुए लिखा है कि ह्यसुबह 3 बजे से एयरलाइंस और एयरपोर्ट्स का पूरा सिस्टम रिकवर हो सुचारू रूप से काम कर रहा है। एयरलाइंस रिफंड और अल्टरनेट एडजस्टमेंट्स पर यात्रियों को हरसंभव सहायता दें। मंत्रालय की ओर से इसकी लगातार मॉनिटरिंग हो रही है। ये स्थिति सिर्फ भारत में नहीं थी, बल्कि दुनियाभर की तमाम एयरलाइंस पर इसका असर देखा गया।

बांग्लादेश में हिंसा के बीच भारत वापस लौटे सैकड़ों छात्र

नई दिल्ली। पड़ोसी देश बांग्लादेश इन दिनों हिंसा की आग में झुलस रहा है। सरकारी नौकरियों में आरक्षण के मुद्दे शुरू हुआ विरोध प्रदर्शन देशभर में उग्र रूप ले चुका है। हिंसा प्रभावित देश से लोग पलायन कर रहे हैं। इस बीच, भारत के विदेश मंत्रालय ने बताया कि अब तक सैकड़ों भारतीय छात्र अलग-अलग मार्गों के जरिए वापस देश लौट आए हैं। विदेश मंत्रालय ने बताया कि ढाका में भारतीय उच्चायोग और चटगांव, राजशाही, सिलहट और खुलना में सहायक उच्चायोग बांग्लादेश में हाल ही में हुए घटनाक्रमों के बाद भारतीय नागरिकों की घर वापसी में सहायता कर रहे हैं। स्थानीय अधिकारियों की मदद से उच्चायोग और सहायक उच्चायोग भारतीय नागरिकों को भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कराने में मदद कर रहे हैं। विदेश मंत्रालय हमारे नागरिकों के लिए एक सुगम मार्ग सुनिश्चित करने के लिए नागरिक उड्डयन, आव्रजन, भूमि बंदरगाहों और बीएसएफ अधिकारियों के साथ भी समन्वय कर रहा है। मंत्रालय ने आगे बताया कि अब तक 778 भारतीय छात्र विभिन्न भूमि बंदरगाहों के माध्यम से भारत लौट आए हैं। इसके अलावा, लगभग 200 छात्र ढाका और चटगांव हवाई अड्डों के माध्यम से नियमित उड़ान सेवाओं से घर लौट आए हैं। ढाका में भारतीय उच्चायोग और हमारे सहायक उच्चायोग बांग्लादेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों में रह रहे 4000 से अधिक छात्रों के साथ नियमित संपर्क में हैं और उन्हें जरूरी सहायता दी जा रही है। नेपाल और भूटान के छात्रों की भी भारत आने में मदद की जा रही है।

मामला कोर्ट में फिर क्यों प्रदर्शन हो रहे हैं? प्रदर्शनकारी छात्र मुख्य रूप से स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों के लिए आरक्षित नौकरियों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शनकारी इस व्यवस्था को खत्म करने की मांग कर रहे हैं, उनका कहना है कि यह भेदभावपूर्ण है और प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग पार्टी के समर्थकों के फायदे के लिए है। बता दें कि प्रधानमंत्री शेख हसीना बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीब उर रहमान की बेटी हैं, जिन्होंने बांग्लादेश मुक्ति संग्राम का नेतृत्व किया था।

जबलपुर इंडस्ट्री समिट 2024 : सीएम ने किया प्रदेश की 29 औद्योगिक इकाइयों का लोकार्पण और 38 औद्योगिक इकाइयों का भूमिपूजन

17 हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव फाइनल

जबलपुर। मध्य प्रदेश की संस्कारधानी जबलपुर में शनिवार को इंडस्ट्री समिट 2024 में 17 हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव फाइनल हुए। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने प्रदेश की 29 औद्योगिक इकाइयों का लोकार्पण और 38 औद्योगिक इकाइयों का भूमिपूजन किया। कुल 67 इकाइयों की शुरूआत की। इन परियोजनाओं में 1,500 करोड़ रुपए का निवेश होगा। करीब 4,500 लोगों को रोजगार मिलेगा। प्रदेश की 265 इकाइयों को 340 एकड़ भूमि के आवंटन के लिए आशय पत्र जारी किए गए। 1,800 करोड़ रुपये का निवेश होगा। 12,000 लोगों को रोजगार मिलेगा। प्रदेश में 16 औद्योगिक पार्क के माध्यम से कुल 517 लघु, मध्यम और सूक्ष्म उद्योगों द्वारा पौने छह हजार करोड़ का निवेश हुआ है। इससे 20 हजार लोगों को रोजगार मिला है। सीएम मोहन यादव ने दीप प्रज्वलित करने के बाद फीता काटकर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, पंचायत मंत्री प्रहलाद पटेल और एमएसएमई मंत्री चैतन्य कश्यप शामिल हुए। बता दें कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस कन्वेंशन सेंटर में आयोजित इस कार्यक्रम में पांच देशों और नौ राज्यों के 3500 से अधिक निवेशकों ने हिस्सा लिया। सम्मेलन के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने निवेश प्रोत्साहन नीति पुस्तिका का विमोचन किया, जिसकी उद्योगपतियों ने सराहना की और मध्य प्रदेश में निवेश के अपार अवसरों पर प्रकाश डाला। सीएम यादव ने जबलपुर में एक अत्यंत आधुनिक कौशल केंद्र स्थापित करने की योजना की घोषणा की, जिसमें परिधान निर्माण और कपड़ा क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा, जिससे रोजगार में लगी महिलाओं को विशेष रूप से फायदा मिलेगा।

मप्र में बनेंगे सेना के टैंक, पन्ना के हीरे भी तराशे जाएंगे

मध्य प्रदेश में जल्द ही सेना के लिए टैंक बनने शुरू हो जाएंगे। अशोक लीलैंड और आर्मर्ड व्हीकल कॉपोर्रेशन लिमिटेड के बीच करार पर हस्ताक्षर हुए हैं। रक्षा उपकरण बनाने के क्षेत्र में 600 करोड़ रुपये का निवेश प्रदेश में होगा। इसके साथ ही पन्ना में बनने वाले हीरों को प्रदेश में ही तराशने की व्यवस्था होगी। यानी गुजरात के सूरत को सीधे-सीधे मध्य प्रदेश चुनौती देने वाला है। जबलपुर में शनिवार को रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के दौरान 67 औद्योगिक इकाईयों का लोकार्पण और भूमिपूजन हुआ। इन नई औद्योगिक इकाइयों से 12 हजार से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा। इन इकाइयों को भूमि आवंटन के आशय पत्र भी सौंपे गए। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जबलपुर के सुभाष चंद्र बोस कल्चरल एंड इंफॉर्मेशन सेंटर में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में उद्योगों से जुड़ी महत्वपूर्ण घोषणाएं की। मुख्यमंत्री ने कहा कि टेक्सटाइल क्षेत्र में अति-आधुनिक स्किल सेंटर की शुरुआत की जाएगी, जिससे विशेष रूप से बहनों को रोजगार प्राप्त होगा।

सिंगल कॉलम

बेटे ने मां को मारी तलवार, बहू ने दी गालियां

इंदौर। गांधीनगर थाना पुलिस ने एक महिला पर हमला और गालीगलौज के मामले में बहू-बेटे के खिलाफ केस दर्ज किया है। बेटे ने मां को तलवार मार दी, जबकि बहू ने उन्हें गालियां दी है। गांधीनगर थाने में फरियादी संगीता पति किशन खुफराव निवासी गोमट गिरि की शिकायत पर उसके बेटे लखन और बहू करिश्मा के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। संगीता ने पुलिस को बताया कि वह काम करके घर लौटी तो उनका लड़का लखन मल्टी के नीचे मिला। उसने लखन से पूछा कि कहां गया था तो लखन ने बदतमीजी शुरू कर दी। संगीता ने उसे फटकारा तो लखन और उसकी पत्नी करिश्मा गालियां देने लगी। लखन तलवार लेकर आ गया और उल्टी तलवार से संगीता के सिर पर वार कर दिया, जिससे वह लहूलुहान हो गई। बहू करिश्मा इस दौरान पति का साथ देते हुए सास को गालियां देती रही। इधर बहू करिश्मा की शिकायत पर सास के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज किया गया है। उसने कहा कि सास ने उसे गालियां दी और कपड़े धोने की मोगरी से मारपीट की है।

उचित मूल्य दुकान में गड़बड़ी पर संचालक के खिलाफ केस

इंदौर। उचित मूल्य दुकान में गड़बड़ी के मामले में शिकायत पर पुलिस ने दुकान संचालक पर केस दर्ज किया है। आरोपी के द्वारा राशन की कालाबाजारी करने के लिए अनियमितताएं की गई। तुकोगंज थाना पुलिस ने फरियादी महादेव मुवेल की शिकायत पर आरोपी विनय जांगिड़ राम कृष्ण नगर कालोनी के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी के द्वारा उचित मूल्य की दुकान बंद पाई जाना, स्टाक बोर्ड जांच दिनांक का भरा नहीं पाया जाना, भौतिक सत्यापन में गेहूं और चावल का कम पाया जाना, इलेक्ट्रॉनिक तौल कांटे का सत्यापन पत्रक नहीं पाए जाना, खाद्यान्न के सील्ड सेंपल नहीं रखना, सहित अन्य कोई बोर्ड और बैनर नहीं लगाने। राशन की कालाबाजारी करने के उद्देश्य से गंभीर अनियमितताएं की गई। मप्र सार्वजनिक वितरण प्रणाली नियंत्रण आदेश 2015 का उल्लंघन किया गया है। शिकायत पर आरोपी के खिलाफ 3/7 आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत केस दर्ज किया है।

गर्ल्स होस्टल में भूत बनकर डराने वाली छात्रा को निकाला

इंदौर। देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी के गर्ल्स हॉस्टल में भूत बनकर डराने सहित अजीब हरकतें करने पर छात्रा को सस्पेंड कर दिया गया। उसकी हरकतों से हॉस्टल की छात्राएं डरी हुई थीं। हॉस्टल की छात्राओं ने उसके वीडियो बनाकर हॉस्टल वार्डन को दिए थे। मार्च-अप्रैल में परीक्षा के दौरान उसे गेस्ट हाउस में रखा गया। गेस्ट हाउस में रहकर वो परीक्षा में शामिल हुई। अब नए सत्र में उसे हॉस्टल में नहीं रखा जाएगा। छात्रा सेकंड ईयर में पढ़ती है। बुरहानपुर की रहने वाली है। उसके परिजनों को भी इस संबंध में पहले शिकायत की गई। दरअसल, हॉस्टल में रहने वाली छात्राओं के द्वारा अनुशासनहीनता के मामले में डीएवीवी के प्रोक्टोरियल बोर्ड सदस्यों ने सुनवाई की। न्यू सीवी रमन हॉस्टल की एक छात्रा का मामला सदस्यों को वार्डन ने भेजा था। वार्डन को हॉस्टल में रहने वाली छात्राओं ने संबंधित छात्रा की शिकायत मार्च-अप्रैल में की थी। छात्रा देर रात उठकर जोर-जोर से चिल्लाकर सबको डिस्टर्ब करती थी। दौड़ लगाकर हॉस्टल की छत की ओर भागती। अन्य छात्राएं उसे पकड़ती। कुछ वीडियो भी छात्राओं ने शिकायत के साथ वार्डन को सौंपे। जिसके बाद छात्रा को हॉस्टल से हटाकर गेस्ट हाउस में रखा गया था। अब नए सत्र में उसे हॉस्टल रूम अलॉट नहीं किया गया। एक साल से छात्रा न्यू सीवी रमन हॉस्टल में रह रही है। हॉस्टल में दीपावली और नए साल पर पटाखे फोड़े जाने की भी शिकायत सामने आई थी। छात्र कल्याण संघ के अध्यक्ष डॉ. एलके त्रिपाठी और चीफ वार्डर्न डा. जीएल प्रजापति ने कहा कि इस शिकायत के बाद 21 छात्राओं पर अनुशासनहीनता को लेकर कार्रवाई की गई। छात्राओं ने माफी मांगी है, इसके चलते उन्हें हॉस्टल से बाहर नहीं किया जा रहा है। उन्हें चेतावनी देकर छोड़ दिया है।

गुरु वंदना एवं आध्यात्मिक गुरु नितिन मतकर का पाद पूजन आज

इंदौर। गुरु पूर्णिमा पर रविवार को आराधना नगर में गुरु पर्व मनाया जाएगा। समाजसेविका भाग्यश्री खरखड़िया ने बताया कि इस अवसर पर शाम 5 बजे आध्यात्मिक गुरु नितिन मतकर महाराज के पैरों का पूजन किया जाएगा। साथ ही गुरु वंदना कार्यक्रम का आयोजन होगा। उक्त आयोजन एरोड्रम रोड स्थित उनके निवास पर होगा। उन्होंने बताया कि इंदौर में आध्यात्मिक जगत के गुरु के भक्तों की संख्या हजारों में है। गुरु पूर्णिमा पर भी 10 हजार से ज्यादा लोगों के पहुंचने की संभावना है। भाग्यश्री के मुताबिक गुरुजी के चमत्कारों की चर्चा इंदौर ही नहीं प्रदेशभर में है। आध्यात्मिक जगत में वे बहुत बड़ा नाम हैं। गुरुजी उन लोगों के मददगार हैं जिनका कोई नहीं है। उनके भक्तों को इस दिन का बेसब्री से इंतजार रहता है।

ई-मेल में लिखा- 15 अगस्त को जहन्नुम में पहुंचा देंगे : सब्जेक्ट लाइन में लिखा था आईएसआई पाकिस्तान, पुलिस को शरारती तत्वों की आशंका

आईआईटी इंदौर कैंपस को बम से उड़ाने की धमकी

इंदौर। शहर के पास सिमरोल थाना क्षेत्र के आईआईटी कैंपस में शुक्रवार शाम एक धमकी भरा ईमेल आया, जिसमें 15 अगस्त पर कैंपस को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। ईमेल आने के बाद आईआईटी कैंपस द्वारा तुरंत सिमरोल पुलिस को इसकी सूचना दी गई। साइबर थाना पुलिस ने ईमेल आईडी की जांच शुरू कर दी है। ग्रामीण डीसीपी उमाकांत चौधरी ने बताया कि शुक्रवार शाम 5:22 पर एक धमकी भरा ईमेल सिमरोल स्थित आईआईटी कैंपस में आया। इस ईमेल आईडी में लिखा हुआ था कि 15 अगस्त पर आईआईटी कैंपस को बम से उड़ा दिया जाएगा और 'जल्द तुम जहन्नुम पहुंच जाओगे'। यह धमकी भरा ईमेल मिलने के बाद सिमरोल आईआईटी प्रशासन द्वारा तुरंत वरिष्ठ अधिकारियों और पुलिस को इसकी सूचना दी गई। पुलिस ने ईमेल आईडी की जांच साइबर टीम को सौंप दी है। पुलिस के मुताबिक ईमेल की सब्जेक्ट लाइन में आईएसआई पाकिस्तान लिखा हुआ है, जो कि किसी शरारती तत्व द्वारा भेजा गया हो सकता है क्योंकि यदि इस तरह का ईमेल होता तो सब्जेक्ट के अंदर आईएसआई पाकिस्तान नहीं लिखा जाता।

साइबर टीम कर रही छानबीन

15 अगस्त के दिन आईआईटी कैंपस सहित देशभर के सभी स्कूलों में आजादी का महोत्सव मनाया जाता है, लेकिन इस तरह का धमकी भरा ईमेल आने के बाद पुलिस मामले में सुरक्षा के इंतजामों को देख रही है। वहीं ईमेल किस आईपी एड्रेस से आई थी, साइबर टीम उसकी भी छानबीन कर रही है। सुरक्षा के चलते आईआईटी में पढ़ने वाले सभी विद्यार्थियों के अभिभावकों को गेट नंबर 2 से आने की अनुमति की मनाही कर दी गई है। वहीं पुलिस इस मामले में साइबर टीम द्वारा जांच रिपोर्ट आने के बाद मामला दर्ज करेगी। सिमरोल पुलिस थाना प्रभारी अमित कुमार ने कहा कि हमें लिखित शिकायत मिली है और हमारी टीम इस मामले की जांच कर रही है।

पहले एयरपोर्ट को उड़ाने की मिली थी धमकी

-इससे पहले इंदौर एयरपोर्ट को भी दो बार बम से उड़ाने की धमकी मिल चुकी है। सुरक्षा एजेंसियों और एयरपोर्ट प्रबंधन को ईमेल के माध्यम से एयरपोर्ट को उड़ाने की धमकी मिली थी। पहला ईमेल 18 जून को आया था, जब इंदौर सहित 50 एयरपोर्ट को बम से उड़ने की धमकी मिली थी। वहीं इससे पहले 28 अप्रैल को भी एक ईमेल ने देशभर के एयरपोर्ट को अलर्ट कर दिया था, लेकिन लगातार बम से उड़ाने की धमकी किसी अज्ञात बदमाशों द्वारा लगातार मेल आईडी के माध्यम से दी जा रही है।

- वहीं 13 जून को इंदौर के मेंटल हॉस्पिटल को बम से उड़ाने की धमकी भी दी गई थी, जिसमें लिखा हुआ था कि जल्दी बम फट जाएगा और तुम सब मर जाओगे। ईमेल मिलने के बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई थी। यह ईमेल किसी अज्ञात बदमाश द्वारा भेजा गया था, जिसकी जांच अब तक चल रही है।

फाइनल ऑन्सर की में हुई गलती से प्रभावित होंगे हजारों छात्र

यूपीएससी की फिर बड़ी चूक : दो प्रश्न डिलीट किए, दो के आंसर गलत

इंदौर। मप्र लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) की फिर एक बड़ी चूक सामने आई है। आयोग ने राज्य सेवा और राज्य वन सेवा परीक्षा 2024 प्री के सवालों की प्रोविजनल आंसर की पर लगी आपत्तियों के निराकरण के बाद शुक्रवार रात फाइनल आंसर की जारी कर दी लेकिन इसमें फिर गलती की।

एक प्रश्न (स्पेमिंग, फिशिंग संबंधी) में तो साफ दिख रहा है कि टाइपिंग एरर की गई है कि क्योंकि जिस जवाब पर आपत्ति नहीं थी, वही मान्य कर दिया है। दो प्रश्न डिलीट दिए हैं जबकि इनमें से एक के दो विकल्प मान्य होने थे और एक डिलीट होना था। यानी अब इनके नंबर सभी को मिलेंगे। वहीं विशेषज्ञों द्वारा दो के दिए आंसर गलत बताए जा रहे हैं। इस चूक का असर हजारों उम्मीदवारों पर होने वाला है। पद केवल 110 है और 1.34 लाख ने परीक्षा दी है। इसमें से ढाई हजार से भी कम मेंस में चयनित होंगे। तीन प्रश्न डिलीट उनके सभी को अंक मिलेंगे और तीन के दो विकल्प यानी अधिक लोगों के इनके सही होने के रास्ते खुलेंगे। यानी कुल मिलाकर ऐसी स्थिति में कटऑफ बहुत अधिक जाने वाला है।

आयोग जो जारी करना चाहिए नई आंसर की

आयोग को चाहिए कि तत्काल वह प्रश्न जो खासकर टाइप एटर से जुड़ा है और ऐसे अन्य जो उन्हें लगते हैं कि अभ्यर्थी सही है तत्काल इसे हटाकर नई आंसर की जारी करना चाहिए। प्रोविजनल में भी वह ऐसा कई बार चुका है। हर प्रश्न पर आपत्ति के लिए आयोग ने शुल्क 100 रुपए से बढ़ाकर 150 रुपए कर दिया है, हजारों उम्मीदवार आपत्ति लगाते हैं और यह आपत्ति ऐसे ही नहीं लगती उम्मीदवार को साथ में आपत्ति लगाने के सही प्रूफ भी लगाने होते हैं। इसके बाद भी आयोग की विशेषज्ञ कमेटी की यह चूक उम्मीदवारों पर बहुत भारी पड़ रही है।

इन दो और प्रश्न को किया गया डिलीट

1. भारतीय साहित्य में जनजातीय जीवन की सांस्कृतिक परंपरा और विशिष्टताओं पर लेखन के लिए कौन सा सम्मान दिया जाता है।

(आयोग ने पहले प्रोविजनल आंसर की में इसका जवाब बी वीर शंकर शाह दिया था, लेकिन यह गलत था, आपत्तियों के बाद सही विकल्प नहीं होने के चलते इसे डिलीट किया गया है)

2. भिम्मा जनजाति के लोग कहां रहते हैं? (इसमें पीएससी ने पहले प्रोविजनल आंसर की में मंडला व डिंडोरी जिले को सही माना। लेकिन बैतूल व छिंदवाड़ा के विकल्प को भी उम्मीदवार सही बता रहे थे। आपत्तियों के बाद पीएससी ने इसे डिलीट कर दिया, जबकि कायदे से इसे डिलीट नहीं करते हुए दो विकल्प को सही माना जाना चाहिए था)

3. इसके पहले पीएससी प्रोवीजनल आंसर की के समय ही एक प्रश्न मप्र की पहाड़ियों की ऊंचाई के आरोही और अवरोही से जुड़ा था उसे डिलीट कर चुका था, क्योंकि इसमें हिंदी और अंग्रेजी की भाषा में अंतर था। (यानी अब इन तीन प्रश्नों के दो-दो अंक सभी उम्मीदवारों को मिलेंगे)

इस प्रश्न में दिख रही आंसर की में गंभीर टाइपिंग एरर

सबसे गंभीर आपत्ति स्पेमिंग, फिशिंग से जुड़े सवाल पर हो रही है) पीएससी ने पूछा था कि भ्रामक संदेश, ईमेल टेक्सट संदेशों के रूप में आता है तो आपसे साफ्टवेयर इंस्टाल करने या व्यक्तिगत जानकारी प्रकट करने के लिए कह सकता है।

(पीएसी ने प्रोवीजनल आंसर की में सही जवाब में सी विकल्प फिशिंग को बताया था, लेकिन इसमें एक सही जवाब विकल्प ए स्पैमिंग भी था यानी पीएससी को दो जवाब सही मानने थे। लेकिन पीएससी ने इसमें फिशिंग विकल्प सी के साथ ही विकल्प बी वायरस साइनिंग को सही माना, विकल्प ए और सी सही थे, लेकिन आयोग ने बी व सी को सही माना। जो गलत है। इसे विकल्प को सही मानने की तो आपत्ति भी नहीं लगी। ऐसे में पूरी आशंका है कि आंसर की में यह टाइप एरर हुआ है। लेकिन इस एक सवाल के जवाब से हजारों उम्मीदवार उलझ गए हैं। इसके पहले प्रोविजनल आंसर की में दूसरे प्रश्न पत्र के 20 से ज्यादा सवालों के आंसर टाइपिंग एरर से गलत हो गए थे जिसे फिर हटाकर दूसरी आंसर की जारी हुई थी।

इसके प्रश्न के दो विकल्प होने थे लेकिन एक ही सही माना

एक सवाल था बिरहा किस आदिवासी जनजाति की महिलाओं का लोकगीत है (इसका पीएससी ने विकल्प ए गोंड जवाब सही माना था, फाइनल आंसर की में भी इसे ही रखा है, जबकि उम्मीदवारों ने विकल्प बी कोल को भी सही मानने के कारण दिए थे, यानी इसके भी दो जवाब ए व बी होने थे, जिसे आयोग ने मान्य नहीं किया)

इन सवालों में दो विकल्प सही माने

1. मप्र में आदिवासी के लिए स्वरोजगाकर योजना किस नाम से है? पीएससी ने जवाब टंट्या भील दिया है, जबकि जवाब बिरसा मुंडा भी सही था। आपत्तियों के बाद इसके दोनों विकल्प बी व सी सही किया गया है।
2. एक प्रश्न जलीय पारिस्थितिकी तंत्र के तालाब में निम्न में से किस घटका प्रतिनिधित्व कवक, जीवाणु... द्वारा किया जाता है। इसमें सही विकल्प पहले सी अपघटक दिया गया था लेकिन अब सी के साथ ही विकल्प बी उपभोक्ता को भी सही माना है।

पीएससी की कोई भी परीक्षा बिना गलत प्रश्न के पूरी नहीं होती है

पीएससी ने बीते सालों में 34 परीक्षाएं ली है, इसमें 4350 सवाल पूछे गए और 135 सवाल के जवाब गलत थे, जिसे डिलीट किया गया। अभी तक 95 सवालों के एक से अधिक विकल्प पीएससी को मानने पड़े हैं। बीते पांच सालों में हर एक परीक्षा में औसतन चार सवाल डिलीट करने पड़े हैं।

हाईकोर्ट ने ही दो सवाल गलत बता दिए थे

राज्य सेवा परीक्षा 2023 प्री में तो खुद जबलपुर हाईकोर्ट ने ही पीएससी को कड़ी फटकार लगाते हुए दो प्रश्नों को गलत बताया था। इसके चलते मेरिट ही राज्य वन सेवा की फिर से बनाने के आदेश दे दिए थे और कई उम्मीदवारों को राज्य सेवा में मेंस में बैठने के लिए पात्र घोषित किया था। हालांकि पीएससी जाकर डबल बैंच से स्टे ले आया और उम्मीदवारों को राहत नहीं मिल सकी।

विशेषज्ञ कमेटी इन आधार पर करती है प्रश्न के आंसर पर विचार

1. हिंदी से अंग्रेजी में ट्रांसलेशन गलत कर दिया हो जैसे कि अभी 2024 की प्री में ही आरोही और अवरोही का विवाद हुआ
2. प्रश्न सही नहीं बना हो जैसे कि 2023 प्री में प्रेस की स्वंतत्रता वाला मुद्दा था
3. चार विकल्प में से एक भी सही नहीं हो।
4. प्रश्न में गलत फैक्ट नाम, साल व अन्य आंकड़े गलत दिए हो।

विधायक रमेश मेंदोला ने लिखा सीएम को पत्र, सोशल मीडिया पर किया अपलोड

अब मप्र में भी दुकानदारों को लिखना होगा नाम!

इंदौर। उप्र के बाद अब मप्र में भी दुकानदारों के नाम लिखने की मांग प्रबल हो गई है। उज्जैन में तो नगर निगम एक साल पहले ही यह आदेश दे चुका है जिसका पालन नहीं हो रहा है। उज्जैन के मेयर मुकेश टटवाल ने कहा है कि इस बार सावन के महीने में आदेश पर सख्ती से अमल करवाएंगे। वहीं इंदौर के विधायक रमेश मेंदोला ने इस आदेश को पूरे मप्र में लागू करने की अपील की है। उन्होंने मुख्यमंत्री मोहन यादव को इसके लिए पत्र लिखा है। यह पत्र उन्होंने सोशल मीडिया पर शनिवार सुबह अपलोड भी किया है। रमेश मेंदोला ने पत्र में लिखा है कि किसी भी व्यक्ति का नाम उसकी पहचान होता है। व्यक्ति को अपने नाम पर गर्व होता है। नाम पूछना ग्राहक का अधिकार है और दुकानदार को अपना नाम बताने में गर्व होना चाहिए, शर्म नहीं। मध्यप्रदेश के हर छोटे बड़े व्यापारी, कारोबारी और दुकानदार को अपना नाम बताने में गौरव के इस भाव की अनुभूति हो सके इसलिए मुख्यमंत्री मोहन यादव को पत्र लिखकर मध्यप्रदेश में हर दुकान के सामने दुकानदार का नाम लिखने का आदेश देने का आग्रह किया है। ऐसा करने से समाज में दुकानदार की पहचान स्थापित होगी और सभी दुकानदार अपना नाम और गुडविल बढ़ाने के लिए ग्राहकों को बेहतर सेवा देने के प्रयास करेंगे। इससे व्यापार जगत में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा होगी और प्रदेश का विकास और अधिक तीव्र गति से होगा। कांग्रेस ने भाजपा पर लगाया जाति और धर्म की राजनीति करने का आरोपभाजपा विधायक के पत्र पर कांग्रेस ने भी मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव को पत्र लिखा है। दलित नेता और कांग्रेस प्रवक्ता मिथुन अहिरवार ने उत्तरप्रदेश की तर्ज पर उठी इस मांग को खारिज करने के साथ ही लिखा कि मध्य प्रदेश में ऐसी पूर्वाग्रह से गृसित और घृणित राजनीति को स्थान ना दिया जाए। मिथुन अहिरवार ने भाजपा पर जाति और धर्म की राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि उत्तरप्रदेश के समान मांग मप्र में होना चिंताजनक है। उन्होंने लिखा कि ठेले पर ठेलेवाले का नाम लिखने का विरोध आपके सहयोगी दलों ने भी किया है।

कई पार्टियां कर रहीं विरोध

इस आदेश का देश में कई पार्टियां विरोध कर रही हैं। विपक्षी दलों का कहना है कि इससे भेदभाव बढ़ेगा। कांग्रेस, सपा और बसपा के कई नेताओं ने इस फैसले का विरोध किया है।

मंत्री सावित्री ठाकुर पर चुनाव में जानकारी छिपाने का आरोप, हाई कोर्ट में याचिका

इंदौर। धार लोकसभा से सांसद और केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर के खिलाफ जबलपुर हाई कोर्ट में याचिका लगाई गई है। उनके सामने चुनाव लड़ने वाले कांग्रेस प्रत्याशी राधेश्याम मुवेल ने ये याचिका लगाई है। निर्वाचन को चुनौती देते हुए इसे शून्य घोषित करने की मांग की है। कोर्ट ने याचिका को स्वीकार कर लिया है। वकील अभय उपाध्याय ने बताया कि लोकसभा चुनाव के दौरान बीजेपी प्रत्याशी सावित्री ठाकुर ने नामांकन फार्म के साथ दिए एफिडेविट में कुछ जानकारियां छिपाई थी और कुछ कॉलम रिक्त छोड़ दिए थे। 26 अप्रैल को कलेक्टर धार के समक्ष हमने आपत्ति दर्ज करवाई थी। नामांकन फार्म के साथ जो एफिडेविट गाया जाता है। उसमें कॉलम रिक्त नहीं छोड़ सकते हैं। झूठी जानकारी नहीं दे सकते।

पातालपानी-कालाकुंड हैरिटेज ट्रेन शुरू, आज की बुकिंग फुल

इंदौर। पातालपानी से कालाकुंड के बीच चलने वाली हैरिट्रेज ट्रेन शनिवार से फिर शुरू हो गई। सुबह 11.05 बजे ट्रेन पातालपानी रेलवे स्टेशन से पातालपानी झरने के लिए रवाना हुई। बीच में ट्रेन का 30 मिनट तक स्टॉप हुआ। इस दौरान ट्रेन में सफर कर रहे लोगों ने पातालपानी के झरने को निहारा। करीब दो घंटे तक कालाकुंड में लुत्फ लेने का मौका भी मिल रहा है। ट्रेन सप्ताह में दो दिन यानी प्रति शनिवार और रविवार को चलेगी। खास बात यह है कि यात्रियों ने आने वाले दो रविवार तक की बुकिंग अभी से करा ली है, जबकि पहले रविवार की बुकिंग एक दिन पहले ही फुल हो चुकी थी।

पातालपानी रेलवे स्टेशन से पातालपानी झरने तक इंदौर सांसद शंकर लालवानी ने ट्रेन के विस्टाडोम कोच में यात्रियों के साथ सफर किया। इस दौरान सांसद ने यात्रियों के साथ बैठकर नाश्ता भी किया। उन्होंने कहा कि इंदौर से पातालपानी की कनेक्टिविटी के लिए एक डेमू ट्रेन शुरू की जाएगी। शनिवार को पहले दिन पर्यटकों की संख्या उम्मीद से कम रही। कल यानी रविवार 21 जुलाई को सेकंड सीटिंग की 33 और एसी चेयर कार की 18 सीट की वेटिंग बता रहा है। वेबसाइट के अनुसार 28 जुलाई को सेकंड सीटिंग की 25 और 04 अगस्त की 10 सीटें वेटिंग में है। हालांकि इन दोनों ही रविवार को ऐसी चेयर कार में सीटें उपलब्ध हैं। पातालपानी से कालाकुंड के बीच यह हेरिटेज ट्रेन 10 किमी ट्रैक पर चलेगी। इस सफर के दौरान यात्री पातालपानी स्टेशन, पातालपानी वाटर फॉल, वैली ब्रिज, कालाकुंड और टनल के रोमांच का लुत्फ उठाएंगे। पहले दिन हैरिटेज ट्रेन में यात्री की संख्या कम रही। बावजूद इसके ट्रेन में सफर करने आए छोटे बच्चे झरने और वादियों को देख कर खुशी का ठिकाना नहीं रहा।

-एसी चेयर-कार का 265 रुपए

-जबकि नॉन एसी चेयर-कार का किराया 20 रुपए प्रति टिकट

इंदौर से ऐसे पहुंच सकते हैं ट्रेन तक

रेलवे इंदौर से महू और पातालपानी तक हेरिटेज ट्रेन में ले जाने के लिए डेमू चलाने पर विचार कर रहा है। हालांकि रेलवे सूत्रों का कहना है कि शुरूआत में कुछ दिन यात्रियों को पातालपानी तक सड़क मार्ग से ही जाना पड़ेगा। हालांकि रेलवे महू से पातालपानी तक ब्राडगेज रेल लाइन का निरीक्षण कर चुका है।

सुरक्षित गर्भ समापन को संस्थागत बनाने की पहल

काटजू अस्पताल में इसी हफ्ते शुरू होगा कांप्रिहेंसिव अबॉर्शन केयर सेंटर

भोपाल। देश और प्रदेश में संस्थागत प्रसव के लिए प्रयास दशकों से जारी हैं, लेकिन विषम परिस्थितियों में गर्भ समापन को लेकर ऐसी स्थिति नहीं दिखती। प्रदेश में अब इस दिशा में प्रयास शुरू हो गए हैं। राजधानी में स्थित कैलाशनाथ काटजू शासकीय महिला चिकित्सालय में एक और नई व्यवस्था होने जा रही है। यहां पर कांप्रिहेंसिव अबॉर्शन केयर (सीएसी) सेंटर खोला गया है। इसके लिए डाक्टरों को प्रशिक्षण देने की शुरूआत की जा रही है।

गर्भपात कराने वाली महिलाओं के लिए इसी सप्ताह से यह यूनिट शुरू हो जाएगी। इसके लिए तीन चिकित्सकों का पैनल प्रशिक्षण दे रहा है। स्वास्थ्य विभाग के निर्देश पर खोले जा रहे इस केंद्र में दो डॉक्टरों और दो नर्सों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। सीएसी में लंबी कानूनी प्रक्रिया है। अगर 20 सप्ताह तक की प्रेग्नेंसी है, तो एक ही डाक्टर की मंजूरी से अबॉर्शन गा, जबकि 24 सप्ताह यानी छह माह तक का गर्भ है तो दो डाक्टर पूरे जांच परीक्षण के बाद इस काम को पूरा करने की प्रक्रिया पूरी करेंगे। गर्भपात के दौरान एमटीपी (मेडीकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी) की प्रक्रिया अपनाई जाएगी। कांप्रिहेंसिव अबॉर्शन केयर में लंबी प्रक्रिया है। इसके लिए फार्म भराया जाएगा। अगर सिर्फ महिला अबॉर्शन चाहती है, तो यह संभव नहीं होगा। इसके लिए पति की सहमति भी जरूरी होगी। दोनों ही सहमति के बाद पर्चा भरा जाएगा। उस पर हस्ताक्षर होंगे। इसके बाद विधिवत जांच की जाएगी। इसके बाद गर्भपात की प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

इसलिए शुरू किया सेंटर

चिकित्सकों ने बताया कि कई महिलाएं अस्पताल आती हैं और बताती हैं कि बिना प्लानिंग के प्रिग्नेंसी आ गई है, जबकि परिवारिक परिस्थितियों के हिसाब से जरूरत नहीं थी। कई बार अन्य शारीरिक समस्याओं को लेकर महिलाएं बच्चा नहीं चाहती हैं। हर दिन ऐसी अनके महिलाएं अपनी परेशानी लेकर आती हैं।

महिलाओं को भी जागरूक कर रहे

यहां आने वाली महिलाओं को कांप्रिहेंसिव अबॉर्शन केयर (सीएसी) के लिए जागरूक भी किया जाता है। उन्हें बताया जाता है कि वह कब गर्भधारण करें। इस दौरान किन-किन सावधानियों का ध्यान रखना चाहिए। ताकि जच्चा-बच्चा शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ्य रहें। ऐसे कई बिंदुओं की महिलाओं को जानकारी दी जाएगी।

इनका कहना है

सभी जगहों पर गायनेकोलॉजिस्ट मौजूद नहीं होते हैं। इसलिए एमबीबीएस डॉक्टर व नर्सों को भी सीएसी का प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिससे वह भी इस प्रक्रिया को पूरा कर सकें। इसमें 12 दिन डॉक्टरों और 13 दिनों तक नर्सों को प्रशिक्षण दिया जाता है। इसकी शुरूआत भी हो चुकी है।

-कर्नल पीके सिंह, अधीक्षक, कैलाशनाथ काटजू महिला अस्पताल

बारिश में रहवासियों की परेशानी बढ़ी, पार्षद से लेकर मंत्री तक शिकायत के बावजूद कुछ नहीं हुआ

20 साल पुरानी बजरंग नगर कॉलोनी में लोगों को सड़क का इंतजार

भोपाल। राजधानी भोपाल के नरेला विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली 20 साल पुरानी बजरंग नगर कॉलोनी में विधानसभा चुनाव के पहले रोड की स्वीकृति दी गई थी। वर्तमान विधायक और मंत्री विश्वास सारंग ने इसका भूमि पूजन भी कर लिया था, लेकिन अभी तक रोड का निर्माण कार्य शुरू शुरू नहीं हो सका है। ऐस में बारिश में लोगों को वहां से निकलना मुश्किल हो रहा है। कॉलोनीवासियों ने पार्षद से लेकर मंत्री विश्वास सारंग तक गुहार लगा चुके हैं, लेकिन उनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। नरेला विधानसभा के अंतर्गत छः घरा करोंद क्षेत्र में की यह कॉलोनी 20 साल पुरानी है। यहां 100 से ज्यादा प्लॉट हैं, लेकिन कॉलोनी का अभी तक ठीक से विकास नहीं हो पाया है, जबकि यह भोपाल नगर निगम के अंतर्गत आती है। यहां के रहवासी सभी प्रकार के टैक्स भी भर रहे हैं, लेकिन उन्हें अभी तक मूलभूत सुविधा अभी तक मुहैया नहीं हो पा रही हैं।

बरसात में बच्चों को स्कूल जाना हो रहा मुश्किल

रहवासी रोहित ने बताया कि नरेला विधानसभा के वार्ड क्रमांक 75 में बजरंग नगर, छः घरा कॉलोनी रोड का भूमिपूजन विधानसभा चुनाव से पहले हो चुका है, लेकिन अभी तक कोई निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ है। कॉलोनी के 80-100 परिवार बहुत परेशान हैं। बच्चे स्कूल नहीं जा पा रहे हैं। हमने मंत्री जी और अधिकारियों से कई बार निर्माण कार्य शुरू करने का अनुरोध किया है, लेकिन अभी तक कोई सुनवाई नहीं हुई। एयरपोर्ट और जेल रोड के पास होने के बाद भी यहां रोड नहीं बनी है। हम कई सालों से इसका इंतजार कर रहे हैं।

गंदे पानी की निकासी में काफी समस्या

रहवासी पवन ने बताया कि इस कॉलोनी में रोड और नाली निर्माण नहीं है, जिससे हम सभी रहवासियों को अवागमन और गंदे पानी की निकासी में काफी समस्या उत्पन्न हो रही है। जिसकी शिकायत पूर्व में वार्ड के पार्षद और नगर निगम जोन के अधिकारी को मौखिक रूप से की गई थी। लेकिन, आज तक संबंधित अधिकारी द्वारा किसी भी प्रकार की कोई कार्रवाई नही की गई।

जल्द शुरू होगा रोड निर्माण का कार्य

वार्ड क्रमांक 75 की पार्षद रीता जगदीश विश्वकर्मा ने अमर उजाला से बात करते हुए बताया कि रोड का भूमि पूजन विधानसभा चुनाव से पहले हुआ था। लेकिन, किसी कारण काम थोड़ा लेट हो गया है। जल्द ही काम शुरू किया जाएगा। अभी हमने रोड में खोपर डलवा दी है। जैसे ही बरसात कम होगी काम शुरू कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमे खुद ही इसकी बहुत ज्यादा चिंता है।

नगरीय निकाय एवं आवास मंत्री ने विभागीय समीक्षा बैठक में दिए निर्देश, नगर निगमों को मिलेगा फ्री होल्ड का अधिकार

नगरीय निकाय देखेंगे बहुमंजिला भवनों के लिफ्ट एवं फायर सेफ्टी सिस्टम

भोपाल। नगरीय निकाय एवं आवास विभाग ने नगर पालिक निगमों के कामों की समीक्षा को लेकर शुक्रवार को मंत्रालय में बैठक बुलाई। इसमें सभी 16 नगर निगमों के कमिश्नर और महापौर शामिल हुए। नगरीय निकाय एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में महिला महापौर की तरफ से भीड़ के बीच जाने पर सुरक्षा को लेकर चिंता जताई गई। उनकी तरफ से पुलिस सुरक्षा मुहैया कराने की मांग की गई। इस पर मंत्री ने उनको स्थानीय स्तर पर सुरक्षा कर्मी उपलब्ध कराने की बात कही।

बैठक में मंत्री ने महापौरों और निगमायुक्तों से कहा कि आप शहर सरकार हैं, अपनी शक्तियां पहचान कर कार्य करें, परंतु निर्णय लोकहित में होने चाहिए। नगर निगम क्षेत्रांतर्गत अनधिकृत कॉलोनियों पर सख्ती से रोक लगाई जाए। इस पर महापौर की तरफ से सख्त कानून नहीं होने की बात कही गई तो मंत्री ने कहा कि अब सख्त नियम बनाए जा रहे हैं। साथ ही मंत्री ने किराएदारी एक्ट भी बनाने की बात कही। उन्होंने कहा कि बुजुर्ग पेंशनर्स मकान बनाकर किराए से देते हैं, उनको किराएदार परेशान करते हैं। इसको लेकर एक्ट बनाएंगे ताकि संपत्ति मालिक को स्वामित्व बना रहे और किराएदार को भी असुविधा ना हो।

बैठक में फ्री-होल्ड का मुद्दा भी उठा। इसके नियम बने हैं, लेकिन उसके अनुसार काम नहीं होता। इसके चलते शहर का विकास रूका हुआ है। मंत्री ने कहा कि वरिष्ठ अधिकारियों ने नगर निगम को फ्री होल्ड करने के अधिकार देने के निर्देश दिए हैं। मंत्री ने कहा कि मास्टर प्लान के ग्रीन एरिया में ज्यादा से ज्यादा पौधरोपण करने के लिए कहा है। इससे अवैध कब्जे भी रूकेंगे। विजयवर्गीय ने कहा कि बहुमंजिला भवनों के लिफ्ट एवं फायर सेफ्टी सिस्टम नगरीय निकाय द्वारा देखे जाएं। फायर संचालनालय का गठन किया जाएगा, इसके लिए लगभग 400 करोड़ का बजट प्रस्तावित है। नए सिरे से फायर एक्ट भी बनाए जाएंगे। शहरों में यातायात व्यवस्था सुचारू बनाए रखने के लिए बरात, जुलूसों आदि के लिए नियम बनाए जाएंगे। उन्होंने लोक निर्माण, गृह निर्माण मंडल, रेलवे, विद्युत, दूरसंचार आदि से नगरीय क्षेत्रों में अपने विभागीय कार्यों को करने के पहले आयुक्त एवं महापौर से चर्चा करने के निर्देश दिए। इससे सड़कों पर टूट-फूट होने को रोका जा सकेगा।

शासकीय भवनों से भी सेवा कर लिया जाए

विजयवर्गीय ने निर्देशित किया कि सभी नगर निगम सौलर ऊर्जा का अधिकाधिक उपयोग करें। नगरीय निकाय सोलर पावर प्लांट लगा सकते हैं, इससे बिजली की बचत होगी। उन्होंने बताया कि बजट का बड़ा हिस्सा बिजली बिल में जाता है। सौर ऊर्जा से बिजली बिल कम कर राशि को विकास कार्यों में लगा सकते हैं। प्रधानमंत्री सूर्य लक्ष्मी योजना से नगरीय निकाय, निजी भवन मालिकों को घरों पर सोलर पावर प्लांट लगाने के लिए प्रोत्साहित करें। विजयवर्गीय ने कहा कि नगर निगम अपनी आय बढ़ा कर आत्मनिर्भर बनने की दिशा में कार्य करे। विज्ञापन के माध्यम से आय वृद्धि की जा सकती है। पुनर्घनत्वीकरण परियोजना को नगरीय निकायों द्वारा लिया जाए और प्रक्रिया को सरल किया जाए। शासकीय भवनों से भी सेवा कर लिया जाए।

वर्केबल रेट से नीचे टेंडर होंगे रद्द

मंत्री ने कहा कि कई ठेकेदार बहुत कम रेट पर ठेके ले लेते हैं। इससे काम की गुणवत्ता प्रभावित होती है। इसके लिए एक कमेटी बनाने को कहा है, जो यह तय करेगी कि काम का वर्केबल रेट क्या है। इससे कम में टेंडर लेने पर उस टेंडर का रद्द कर दिया जाएगा। इससे काम की गुणवत्ता भी प्रभावित ना हो। नगर निगम में बसों के संचालन के घाटे से निकालने के लिए प्रोफेशनल लोगों को हायर करने को कहा गया है। साथ ही कुत्तों के बंध्याकरण को लेकर भी निजी संस्थाओं के साथ मिलकर काम करने को कहा गया है।

सड़क सुरक्षा संगोष्ठी में बोले न्यूरोसर्जन्स

हेलमेट पहनने से 88 फीसदी कम हो जाती है गंभीर चोट की आशंका

भोपाल। सड़क दुर्घटना के दौरान अगर किसी चालक ने हेलमेट पहना होता है, तो उसे सिर में गंभीर चोट लगने की आशंका 88 प्रतिशत तक कम हो जाती है। साथ ही चेहरे पर चोट लगने की आशंका भी 65 प्रतिशत तक घट जाती है। वहीं कार में सीट बेल्ट लगाने गंभीर रूप से घायल होने का रिस्क 75 प्रतिशत तक कम कर देता है। भोपाल स्मारक अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र बीएमएचआरसी के न्यूरो सर्जरी विभाग द्वारा शनिवार को आयोजित हुई संगोष्ठी में शहर के विभिन्न शासकीय और प्रायवेट अस्पतालों व महाविद्यालयों में पदस्थ वरिष्ठ न्यूरोसर्जन्स ने यह जानकारी दी। आम लोगों में सड़क सुरक्षा और इसकी वजह से सिर में लगने वाली गंभीर चोटों के दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी देने के लिए इस संगोष्ठी का आयोजन किया गया था। डीसीपी (जोन 1) प्रियंका शुक्ला कार्यक्रम की मुख्य अतिथि थीं। कार्यक्रम में बीएमएचआरसी की प्रभारी निदेशक डॉ मनीषा श्रीवास्तव, न्यूरो सर्जरी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ संदीप सोरते, एसोसिएट प्रोफेसर डॉ सौरभ दीक्षित व अन्य वरिष्ठ चिकित्सक उपस्थित थे।

प्रशासन सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए प्रतिबद्ध

डीसीपी प्रियंका शुक्ला ने कहा कि प्रशासन सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए प्रतिबद्ध है और इसके लिए गंभीर प्रयास कर रहा है। जिला स्तर पर हर महीने सड़क सुरक्षा बैठक का आयोजन होता है, जिसमें कलेक्टर, एसपी समेत विभिन्न विभागों के शीर्ष अधिकारी शामिल होते हैं। पुलिस लोगों को ट्रैफिक नियमों का पालन करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम भी आयोजित करती है। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाएं रोकने के लिए दोपहिया वाहनों चालकों का हेलमेट पहनना बहुत आवश्यक है। शहर के लोकप्रिय स्थानों पर हेलमेट पहनकर आना अनिवार्य करना होगा। जबलपुर में पुलिस ने इस तरह का नियम लागू भी किया था।

दुनिया के वाहनों का सिर्फ 1 प्रतिशत ही भारत में, मौत 6 प्रतिशत

इस मौके पर भोपाल न्यूरो एसोसिएशन के अध्यक्ष और शहर के वरिष्ठ न्यूरोसर्जन डॉ अशोक नायक ने कहा कि पूरी दुनिया के वाहनों का सिर्फ 1 प्रतिशत ही भारत में मौजूद हैं, लेकिन यहां सड़क दुर्घटना की दर 6 प्रतिशत है। सड़क दुर्घटनाओं को रोकने की जिम्मेदारी सरकार के साथ साथ वाहन चालकों की भी है। ट्रैफिक नियमों का पालन करवाना आवश्यक है। वरिष्ठ न्यूरोसर्जन डॉ नितिन गर्ग ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं का शिकार होने वाले अधिकतर लोग 15 से 40 वर्ष के पुरुष होते हैं।

उनके दुर्घटनाग्रस्त होने से पूरे परिवार पर इसका गंभीर असर पड़ता है। इलाज पर लाखों रुपये खर्च करने पड़ते हैं, जिससे कई परिवार आर्थिक संकट से पूरी तरह टूट जाते हैं। गांधी मेडिकल कॉलेज के न्यूरो सर्जरी विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ रजनीश गौर ने कहा कि कई बार सिर पर लगने वाली चोट से व्यक्ति की जान तो बच जाती है, लेकिन वह पूरी तरह ठीक नहीं हो पाता। उसे बोलने में, सुनने में दिक्कत हो सकती है। सोचने की शक्ति और नींद प्रभावित हो सकती है। यह भी हो सकता है कि उसे जीवनभर फिजियोथैरेपी या अन्य थैरेपी का सहारा लेना पड़े। न्यूरो सर्जन डॉ संदेश खंडेलवाल ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए लोगों को अखबार, सोशल मीडिया, रेडियो आदि के द्वारा जागरूक करना होगा। न्यूरोसर्जन्स को स्कूल, कॉलेजों में जाकर रोड सेफ्टी के बारे में छात्र छात्राओं को बताना होगा।

पूरे वर्ष होंगी ऐसी गतिविधियां = डॉ मनीषा श्रीवास्तव

बीएमएचआरसी की प्रभारी निदेशक डॉ मनीषा श्रीवास्तव ने इस महत्वपूर्ण संगोष्ठी के आयोजन के लिए न्यूरो सर्जरी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ संदीप सोरते, एसोसिएट प्रोफेसर डॉ सौरभ दीक्षित व पूरे विभाग को बधाई दी। उन्होंने कहा कि बीएमचआरसी अगले साल अपनी स्थापना के 25 वर्ष पूरे कर लेगा। ऐसे में इस वर्ष को यादगार बनाने के लिए हमने पूरे साल 365 गतिविधियां करने का संकल्प लिया है। ऐसे में सड़क सुरक्षा के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए इस संगोष्ठी का आयोजन अत्यंत प्रशंसनीय है। आने वाले समय में ऐसे और भी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

नर्सिंग छात्रों की समस्या को लेकर सीएम से मिले दिग्विजय सिंह

भोपाल। मध्य प्रदेश में कांग्रेस नर्सिंग घोटाले को लेकर भाजपा सरकार पर लगातार हमलावर है। इस बीच पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुलाकात की। दिग्विजय सिंह ने मुख्यमंत्री को पांच बिंदुओं में नर्सिंग के छात्र-छात्राओं की समस्याओं से अवगत कराया। उन्होंने मुख्यमंत्री से कहा कि प्रदेश के नर्सिंग घोटाले की वजह से लाखों छात्र-छात्राएं प्रभावित हुए हैं। मुख्यमंत्री ने दिग्विजय सिंह की बात सुनने के बाद उनको छात्र-छात्राओं के हित में निर्णय लेने का आश्वासन दिया। दिग्विजय सिंह ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को समस्याएं बताई कि नर्सिंग छात्र छात्राओं की परीक्षा आयोजित होने के लंबे समय के बाद भी हजारों छात्र छात्राओं के परीक्षा परिणाम जारी नहीं किए गए। सत्र 2021-22, 2022-23 के छात्र छात्राओं की नामांकन की प्रक्रिया भी पूरी नहीं कर पाया विश्वविद्यालय ऐसे में परीक्षा कब होगी छात्र 3-4 साल से फर्स्ट ईयर में ही हैं। पीएनएसटी (प्री नर्सिंग सिलेक्शन टेस्ट) 2022 शासकीय नर्सिंग कॉलेजों में प्रवेश के लिए प्रोफेशनल एग्जामिनेशन बोर्ड (पीईबी) द्वारा आयोजित करवाई गई थी, जिसमें

66 हजार छात्राओं ने परीक्षा दी थी, लेकिन परीक्षा परिणाम आज तक जारी नहीं किए गए। 66 अनसूटेबल (अपात्र) नर्सिंग कॉलेजों के हजारों छात्र छात्राओं को सूटेबल (पात्र) नर्सिंग कॉलेजों में शिफ्ट करने की प्रक्रिया तत्काल शुरू करना चाहिए। सरकार की लापरवाही की वजह से लाखों नर्सिंग छात्र छात्राओं के जो 3 से 4 साल बर्बाद हुए हैं, उसके एवज में सरकार को छात्र छात्राओं को फीस में रियायत देनी चाहिए।

भोपाल को भिक्षावृत्ति से मुक्त करने की मुहिम, कलेक्टर ने कहा कि किया जाएगा पुनर्वास

प्रशासन को तीन दिन में मिले 200 से अधिक भिखारी

भोपाल। शहर से भिक्षावृत्ति खत्म करने और इसमें लिप्त लोगों का पुनर्वास कराने के लिए जिला प्रशासन मुहिम चला रहा है। इसी सिलसिले में शहर के विभिन्न इलाकों में सर्वे के लिए दलों का गठन किया गया। इन दलों द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों का सर्वे करते हुए 200 से अधिक भिखारियों को चिह्नित किया गया है, इनमें बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं शामिल हैं। यह सभी चौक, चौराहों, तिराहों, धार्मिक स्थल, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और सामाजिक स्थलों पर मिले हैं। इनमें सबसे ज्यादा भीख मांगने वाले गोविंदपुरा संभाग से चिह्नित किए गए हैं। इनकी संख्या 114 है। भोपाल को भिखारी मुक्त बनाने के लिए चल रहा सर्वे शुक्रवार को पूरा हो गया। सभी एसडीएम ने रिपोर्ट बनाई है। इनमें से कुछ ने कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह को रिपोर्ट सौंप भी दी है। गोविंदपुरा में भिक्षावृत्ति करने वाले कुल 114 लोगों की प्रोफाइल बनी है। इनमें बच्चों से लेकर महिलाएं और पुरुष भी शामिल हैं। कलेक्टर ने बताया कि तीन दिन में सर्वे करने को कहा गया था, जो पूरा हो गया है। अब समग्र रिपोर्ट बना रहे हैं। इसके बाद भिक्षावृत्ति से जुड़े इन लोगों के पुनर्वास पर काम किया जाएगा। गोविंदपुरा एसडीएम रवीश श्रीवास्तव ने बताया कि तीन दिन तक सर्वे किया गया। कुल 114 लोगों की प्रोफाइल बनाई गई है।

इन्होंने किया सर्वे

यह सर्वे एसडीएम, तहसीलदार और सामाजिक न्याय विभाग ने मिलकर किया है। अब इन चिह्नित लोगों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए सर्वेक्षण, पहचान, मोबिलाइजेशन, पुनर्वास और आजीविका के उपाय किए जाएंगे।

सम्पादकीय

गुरु पूर्णिमा और हमारे वेद व्यास

व्यास पद पर बैठने वाले व्यक्ति का वास्तविक नाम कुछ और होता है। वर्तमान वेदव्यास का असली नाम कृष्ण द्वैपायन है। कहते हैं, द्वापर युग में महर्षि पराशर से निषाद-कन्या सत्यवती ने एक पुत्र को जन्म दिया। चूंकि उस बालक का जन्म एक द्वीप पर हुआ था और जन्म के समय उसका रंग सांवला (कृष्ण-वर्ण) था तो उसका नाम हुआ, कृष्ण द्वैपायन। यही बालक कृष्ण द्वैपायन, आगे चलकर 28वां वेदव्यास कहलाया।

लगभग 3000 ई.पूर्व आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा के दिन महाभारत के रचयिता वेद व्यास का जन्म हुआ था। वेद व्यास जी के सम्मान में हर वर्ष आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा का दिन मनाया जाता है। मान्यता है कि इसी दिन वेद व्यास जी ने भागवत पुराण का ज्ञान भी दिया था। गुरु पूर्णिमा को व्यास पूर्णिमा नाम से भी जाना जाता है। यदि पूछा जाए कि महाभारत और पुराणों की रचना किसने की तो स्पष्ट तौर पर इसका उत्तर होगा, वेदव्यास ने। परंतु यदि कोई यह पूछ ले कि कौन-से वेदव्यास ने, यानी पहले, दूसरे, तीसरे या पांचवें या आठवें वेदव्यास ने? तो ऐसे में यह शंका उठना स्वाभाविक है कि कुल वेदव्यास हैं कितने? विष्णु पुराण के अनुसार अब तक वेदव्यास रह चुके लोगों की की संख्या दो, चार, छह या आठ नहीं, अपितु अट्ठाईस है! एक ही नाम के इतने सारे व्यक्ति कैसे हो सकते हैं, वह भी तब, जबकि नाम हो वेदव्यास, जिनका नाम संसार आदर से लेता है। उनकी रचनाएं युगों-युगों से हिंदू धर्म की चेतना को ऊर्जान्वित करती आई हैं! वेदव्यास, दरअसल, किसी व्यक्ति का नाम है ही नहीं! वेदव्यास, वास्तव में एक पद अथवा उपाधि है। वेदव्यास के पद पर नियुक्त होने वाला व्यक्ति वेदव्यास कहलाता है, हालांकि उसका वास्तविक नाम कुछ और होता है। वेदव्यास के पद पर बैठने वाले व्यक्ति का कार्य अत्यंत विशिष्ट होता है और उस कार्य के संपन्न हो जाने के उपरांत वह व्यक्ति वेदव्यास के पद से हट जाता है। फिर अगले कालखंड में उस पद पर किसी अन्य व्यक्ति की नियुक्ति होती है। तब वह व्यक्ति अगला वेदव्यास बनता है। अनेक युगों से वेदव्यास पद पर बैठने वाले लोग बदलते रहे हैं और इस तरह यह संख्या बढ़ते-बढ़ते आज अट्ठाईस तक जा पहुंची है। वर्तमान समय के वेदव्यास इसी दीघर्कालिक व्यास-परंपरा के 28वें सदस्य हैं। व्यास पद पर बैठने वाले व्यक्ति का वास्तविक नाम कुछ और होता है। वर्तमान वेदव्यास का असली नाम कृष्ण द्वैपायन है। कहते हैं, द्वापर युग में महर्षि पराशर से निषाद-कन्या सत्यवती ने एक पुत्र को जन्म दिया। चूंकि उस बालक का जन्म एक द्वीप पर हुआ था और जन्म के समय उसका रंग सांवला (कृष्ण-वर्ण) था तो उसका नाम हुआ, कृष्ण द्वैपायन। यही बालक कृष्ण द्वैपायन, आगे चलकर 28वां वेदव्यास कहलाया। वेदव्यास के पद में कौन-सी ऐसी विशेषता है कि इस पद पर अलग-अलग लोगों की नियुक्ति होती है? विष्णु पुराण के अनुसार, मनुष्य का बल और तेज इतना अल्प है कि उसके लिए वेदों को समझना संभव नहीं है। इसलिए प्रत्येक द्वापर युग में भगवान विष्णु स्वयं वेदव्यास के रूप में अंश अवतार लेते हैं और समस्त प्राणियों के हित के लिए वेदों का विभाजन करते हैं। भगवान, जिस रूप में इस बृहत कार्य को संपन्न करते हैं, उसी रूप का नाम वेदव्यास है।

सत, त्रेता, द्वापर और कलि ये चार युग हैं। ऐसे इकहत्तर चतुर्युग मिलने पर एक मन्वंतर बनता है। प्रत्येक मन्वंतर में 71 सत्युग, 71 त्रेता, 71 द्वापर और 71 कलियुग होते हैं। प्रत्येक द्वापर युग में वेदव्यास का जन्म होता है। एक मन्वंतर में 71 बार वेदव्यास की नियुक्ति होती है। वर्तमान मन्वंतर में 28 वेदव्यास हो चुके हैं और 43 वेदव्यास का जन्म होना अभी शेष है! कृष्ण द्वैपायन से पहले हुए 27 वेदव्यास कौन थे? विष्णु पुराण में सभी 28 वेदव्यासों के नाम मिलते हैं जो निम्न प्रकार हैं- ब्रह्मा, प्रजापति, शुक्राचार्य, बृहस्पति, सूर्य, मृत्यु, इंद्र, वसिष्ठ, सारस्वत, त्रिधामा, त्रिशिख, भरद्वाज, अंतरिक्ष, वर्णी, त्रय्यारुण, धनंजय, ऋतुंजय, जय, भरद्वाज, गौतम, हर्यात्मा, वाजश्रवा, तृणबिंदु, ऋक्ष, वाल्मीकि, शक्ति, पराशर, जातुकर्ण, और अंत में कृष्ण द्वैपायन। इसी शृंखला में विष्णु पुराण कहता है कि अगले द्वापर युग के वेदव्यास, यानी 29वें वेदव्यास द्रोण-पुत्र अश्वत्थामा होंगे।

ज्ञान और आत्मज्ञान के मार्ग पर व्यक्तियों का मार्गदर्शन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं गुरु

हिन्दू धर्म में गुरु का स्थान भगवान से भी ऊपर माना गया है। इनकी पूजा का दिन होता है गुरु पूर्णिमा, जो हर साल आषाढ़ मास के शुक्लपक्ष की पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है। हिंदू मान्यता के अनुसार गुरु पूर्णिमा का पावन पर्व महर्षि वेदव्यास की जयंती के रूप में मनाया जाता है। इसीलिए इसे व्यास पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है। गुरु पूर्णिमा पर्व गुरुजनों को समर्पित है। शिष्य अपने गुरु देव का पूजन करेंगे। वहीं जिनके गुरु नहीं है वे अपना नया गुरु बनाएंगे।

हिंदू धर्म के सबसे महत्वपूर्ण पर्वों में से एक

गुरु पूर्णिमा है। यह शुभ दिन गुरु की पूजा और उनका सम्मान करने के लिए समर्पित है, जो ज्ञान और आत्मज्ञान के मार्ग पर व्यक्तियों का मार्गदर्शन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हिंदू पंचांग के अनुसार, इस बार गुरु पूर्णिमा आषाढ़ मास की पूर्णिमा तिथि रविवार 21 जुलाई 2024 को मनाई जाएगी। गुरु पूर्णिमा रविवार 21 जुलाई को सर्वार्थ सिद्धि योग में मनाई जाएगी। गुरु पूर्णिमा के दिन सर्वार्थ सिद्धि योग का निर्माण हो रहा है। इस योग में गुरु की पूजा से हर तरह के सिद्धियों की प्राप्ति होती है और जीवन में आने वाली समस्याएं भी दूर हो जाती हैं। रविवार 21 जुलाई को पूरे दिनभर सर्वार्थ सिद्धि योग रहेगा। भारत में इस दिन को बहुत श्रद्धा- भाव से मनाया जाता है। धार्मिक शास्त्रों में भी गुरु के महत्व को बताया गया है। गुरु को भगवान से भी श्रेष्ठ माना जाता है, क्योंकि गुरु ही भगवान तक पहुंचने का मार्ग बताते हैं। हिन्दू धर्म में गुरु का स्थान भगवान से भी ऊपर माना गया है। इनकी पूजा का दिन होता है गुरु पूर्णिमा, जो हर साल आषाढ़ मास के शुक्लपक्ष की पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है। हिंदू मान्यता के अनुसार गुरु पूर्णिमा का पावन पर्व महर्षि वेदव्यास की जयंती के रूप में मनाया जाता है। इसीलिए इसे व्यास पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है। गुरु पूर्णिमा पर्व गुरुजनों को समर्पित है। शिष्य अपने गुरु देव का पूजन करेंगे। वहीं जिनके गुरु नहीं है वे अपना नया गुरु बनाएंगे। पुराणों में कहा गया है कि गुरु ब्रह्मा के समान है और मनुष्य योनि में किसी एक विशेष व्यक्ति को गुरु बनाना बेहद जरुरी है। क्योंकि गुरु अपने शिष्य का सृजन करते हुए उन्हें सही राह दिखाता है। इसलिए गुरु पूर्णिमा के दिन लोग अपने ब्रह्मलीन गुरु के चरण एवं चरण पादुका की पूजा अर्चना करते हैं। गुरु पूर्णिमा के दिन अनेक मठों एवं मंदिरों पर गुरुओं की पूजा-अर्चना की जाती है। मान्यता के अनुसार गुरु पूर्णिमा से ही वर्षा ऋतु का आरंभ होता है और आषाढ़ मास की समाप्ति होती है। इस दिन पवित्र नदी में स्नान और दान का भी विशेष पुण्य बताया गया है। गुरुकुल = प्राचीनकाल में जब विद्यार्थी गुरु के आश्रम में निशुल्क शिक्षा ग्रहण करने जाते थे, तो इसी दिन वे श्रद्धाभाव से प्रेरित होकर गुरु की पूजा किया करते थे और उन्हें यथाशक्ति दक्षिणा अर्पित करते थे। गुरु के बिना ज्ञान की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। गुरु की कृपा से सब संभव हो जाता है। गुरु व्यक्ति को किसी भी विपरित परिस्थितियों से बाहर निकाल सकते हैं। गुरु पूर्णिमा के दिन गुरुओं का पूजन किया जाता है। गुरु की हमारे जीवन में महत्व को समझाने के लिए गुरु पूर्णिमा का पर्व मनाया जाता है। गुरु पूर्णिमा पर लोग अपने गुरुओं को उपहार देते हैं और उनका आशीर्वाद लेते हैं। जिन लोगों के गुरु अब इस दुनिया में नहीं रहे वे लोग भी गुरुओं की चरण पादुका का पूजन करते हैं। माना जाता है कि इस दिन गुरुओं का आशीर्वाद लेने से जीवन के सभी कष्ट दूर हो जाते हैं। शास्त्रों में गुरु को परम पूजनीय माना गया है। पूर्णिमा तिथि = हिन्दू पंचाग के अनुसार आषाढ़ पूर्णिमा तिथि की शुरूआत 20 जुलाई को शाम 5:09 मिनट से शुरू होगी। जो अगले दिन 21 जुलाई को दोपहर बाद 3:56 मिनट तक रहेगा। ऐसे में उदयातिथि के अनुसार गुरु पूर्णिमा 21 जुलाई को होगी। जीवन में गुरु का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान = जीवन में गुरु का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान होता है। धर्म शास्त्रों में भी कहा गया है कि बिना गुरु के ईश्वर नहीं मिलता। इसलिए जीवन में गुरु का होना अत्यंत आवश्यक है। सनातन धर्म में गुरु की महिमा का बखान अलग-अलग स्वरूपों में किया गया है। इसी कड़ी में आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा का विशेष पर्व मनाया जाता है। गुरु पूर्णिमा को गुरु की पूजा की जाती है। गुरु का अर्थ = शास्त्रों में गुरू का अर्थ बताया गया है- अंधकार और रु का का अर्थ- उसका निरोधक। गुरु को गुरु इसलिए कहा जाता है कि वह अंधकार को हटाकर प्रकाश की ओर ले जाता है। प्राचीन काल में शिष्य जब गुरु के आश्रम में निःशुल्क शिक्षा ग्रहण करते थे तो इसी दिन पूर्ण श्रद्धा से अपने गुरु की पूजा का आयोजन करते थे।

गुरु पूर्णिमा का पर्व = भारतीय संस्कृति में गुरु देवता को तुल्य माना गया है। गुरु को हमेशा से ही ब्रह्मा, विष्णु और महेश के समान पूज्य माना गया है। वेद, उपनिषद और पुराणों का प्रणयन करने वाले वेद व्यास जी को समस्त मानव जाति का गुरु माना जाता है। महर्षि वेदव्यास का जन्म आषाढ़ पूर्णिमा को लगभग 3000 ई। पूर्व में हुआ था। उनके सम्मान में ही हर वर्ष आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा मनाया जाता है। कहा जाता है कि इसी दिन व्यास जी ने शिष्यों एवं मुनियों को सर्वप्रथम श्री भागवतपुराण का ज्ञान दिया था। अतः यह शुभ दिन व्यास पूर्णिमा के नाम से जाना जाता है। वेद व्यास के शिष्यों ने शुरू की थी यह परंपरा = इसी दिन वेदव्यास के अनेक शिष्यों में से पांच शिष्यों ने गुरु पूजा की परंपरा प्रारंभ की। पुष्पमंडप में उच्चासन पर गुरु यानी व्यास जी को बिठाकर पुष्प मालाएं अर्पित कीं, आरती की तथा अपने ग्रंथ अर्पित किए थे। जिस कारण हर साल इस दिन लोग व्यास जी के चित्र का पूजन और उनके द्वारा रचित ग्रंथों का अध्ययन करते हैं। कई मठों और आश्रमों में लोग ब्रह्मलीन संतों की मूर्ति या समाधि की पूजा करते हैं। गुरू पूर्णिमा का महत्व = गुरू के बिना एक शिष्य के जीवन का कोई अर्थ नहीं है। रामायण से लेकर महाभारत तक गुरू का स्थान सबसे महत्वपूर्ण और सर्वोच्च रहा है। गुरु की महत्ता को देखते हुए ही महान संत कबीरदास जी ने लिखा है- ह्यगुरु गोविंद दोऊ खड़े काके लागू पाये, बलिहारी गुरु आपने गोविंद दियो मिलाये ह्व यानि एक गुरू का स्थान भगवान से भी कई गुना ज्यादा बड़ा होता है। गुरु पूर्णिमा का पर्व महार्षि वेद व्यास के जन्मदिवस के रूप में मनाया जाता है। वेदव्यास जो ऋषि पराशर के पुत्र थे। शास्त्रों के अनुसार महर्षि व्यास को तीनों कालों का ज्ञाता माना जाता है। महार्षि वेद व्यास के नाम के पीछे भी एक कहानी है। माना जाता है कि महार्षि व्यास ने वेदों को अलग-अलग खण्डों में बांटकर उनका नाम ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद और अथर्ववेद रखा। वेदों का इस प्रकार विभाजन करने के कारण ही वह वेद व्यास के नाम से प्रसिद्ध हुए। गुरु के महत्व को बताते हुए संत कबीर का एक दोहा बड़ा ही प्रसिद्ध है। जो इस प्रकार है -

गुरु गोविन्द दोनों खड़े, काके लागूं पांय। बलिहारी गुरु आपने, गोविंद दियो बताय॥

इसके अलावा संस्कृत के प्रसिद्ध श्लोक में गुरु को परम ब्रह्म बताया गया है -

गुरुर्ब्रह्मा ग्गुरुर्विष्णुः गुरुर्देवो महेश्वरः।
गुरुः साक्षात परं ब्रह्म तस्मै श्री गुरवे नमः

टाइम मशीनः वाइकिंग लड़ाके और टैक्स का चाबुक... किंग अथेराल्ड ने आने वाली सरकारों को खजाना भरने की बड़ी सीख दी

विलियम पिट ने 1802 में इनकम टैक्स को हटा लिया। एक साल बाद नेपोलियन फिर चढ़ आया, तो प्रधानमंत्री हेनरी एडिंगटन इसे फिर वापस ले आए। किंग-क्वीन की कई पीढ़ियों को वक्त निगल गया। बड़ी-बड़ी जंगें करोड़ों लोगों की जान लेकर इतिहास बन गईं, मगर इनकम टैक्स आया, तो फिर वापस नहीं गया। बजट की गंध हवा में है। आमतौर पर बजट बसंती होता है, मगर इस बार का बजट मानसूनी है। बजट है, तो एक ही चर्चा है टैक्स की...उम्मीदों के कबूतर उड़ाने वाले कह रहे हैं कि इस जानलेवा महंगाई में नौकरीपेशा वर्ग के लिए रियायत का मरहम आ सकता है। मगर सत्ता के दरवाजों में कान लगाने पर यह सुनाई देता है कि सरकार जीएसटी को सख्त कर सकती है। कई उत्पादों पर रियायती दर से लगने वाला टैक्स खत्म हो सकता है। टैक्स से हिकारत तारीखी है। प्लेटो, सिसरो और मार्क अंटनी में एक दिलचस्प समानता थी कि तीनों ही टैक्स से बुरी तरह चिढ़ते थे। प्लेटो कहता था कि ईमानदार ज्यादा टैक्स चुकाता है और बेईमान कम। टैक्स की यह व्याख्या अजर-अमर हो गई। सिसरो बोला कि टैक्स ही सत्ता की ताकत है, तो मार्क अंटनी ने कहा कि टैक्स अगर सभ्य होने की फीस है, तो मुझे रिफंड चाहिए, मैं जंगली ही भला। टैक्स की दुनिया है ही इतनी अभिशप्त। टैक्स व्यवस्था की बोहनी ही खराब थी। खपत, संपत्ति और आय पर तरह-तरह के टैक्स की शुरुआत युद्धों और लूट की छाया में हुई थी, इसलिए चाहे भारत हो या यूरोप, सरकारों का यह चाबुक खाल ही उतार देता है। आइए, टाइम मशीन को उड़ान के लिए रनवे पर पहुंचने का इशारा हो गया है। संभालिए अपनी सीट और बांधिए कुर्सी की पेटी। हम यहां से सीधे नौवीं सदी के यूरोप की तरफ जा रहे हैं। उस यूरोप में घूमते हुए आप खुद को बचाइएगा, क्योंकि आपका सामना दुनिया के सबसे निर्मम लड़ाकों से हो सकता है, जिन्हें वाइकिंग कहा जाता था। यह नौवीं सदी का ब्रिटेन है। दूर से ही देखिए यहां की कत्ल-ओ-गारत। ब्रिटेन वाइकिंग के हमलों से तार-तार हो रहा है। स्कैंडिनेविया के ये लड़ाके यूरोप को रौंद रहे हैं। निर्ममता में इनका कोई सानी नहीं है। ब्रिटेन वाले आपको बताएंगे कि वाइकिंग हमले और लूट के बाद वापस उत्तर में चले जाते हैं और कुछ समय बाद फिर लौटते हैं। वाइकिंग लड़ाके पश्चिम एशिया, रूस, उत्तरी अफ्रीका और कनाडा तक मार करते हैं। इनकी बर्बरता की दंतकथाएं सुनकर आप कांप उठेंगे। शुक्र है, आप ब्रिटेन के सुरक्षित इलाके में हैं। टाइम मशीन आपको नौवीं सदी के उस मौके पर ले आई है, जब किंग अल्फ्रेड ऑफ वेसेक्स राजपाट संभाल रहे हैं। आगे इनकी गिनती ब्रिटेन के महान शासकों में होगी। वाइकिंग हमलों और लूटपाट से ध्वस्त ब्रिटेन को खड़ा करना अल्फ्रेड की जिम्मेदारी है। सत्ता संभालते ही उन्होंने एंग्लो सैक्सन राज्य को उत्तरी लड़ाकों के मुकाबले में उतारा है। नतीजतन वाइकिंग का आतंक कुछ कम होने लगा है। दसवीं सदी की तरफ बढ़ते हुए आप देख पा रहे हैं कि वक्त इतना रहमदिल साबित नहीं हुआ। किंग अल्फ्रेड फानी दुनिया से कूच कर गए। यह 978 का साल है। अल्फ्रेड के बेटे अथेराल्ड सत्ता में हैं। आने वाला वक्त उन्हें किंग अथेराल्ड द अनरेडी के नाम से जानेगा। आइए, भागकर टाइम मशीन में बैठिए। यूरोप पर वाइकिंग के भयानक हमले का दूसरा सबसे भयानक दौर शुरू हो गया है। बहुत खून-खच्चर मचा है। ग्रेट हीदन आर्मी ने ब्रिटेन के बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया है। किंग अथेराल्ड के पास वाइकिंग की ताकत का कोई जवाब नहीं है। वाइकिंग लड़ाके हमले और लूट बंद करने के लिए फिरौती मांगने लगे हैं। मजबूर राजा को यह समझौता करना पड़ा है। वाइकिंग को पहली फिरौती 991 में गई। लड़ाकों को 10,000 रोमन पौंड के चांदी के सिक्के दिए गए, जिनका वजन करीब 3,300 किलोग्राम था। अब तो वाइकिंग बार-बार फिरौती वसूलने लगे। अब हम देखेंगे वह दौर, जिसके लिए जोखिम उठाकर हम 21वीं सदी से वाइकिंग की दुनिया में आए हैं। अथेराल्ड बुरी तरह परेशान है। खजाना खाली है, फिरौती कहां से दी जाए? किंग अथेराल्ड ने टैक्स लगाने की व्यवस्था का एलान कर दिया है। उन्हें क्या पता कि वह आने वाली सरकारों को क्या सिखा रहे हैं। वाइकिंग को फिरौती की रकम के लिए डेनगेल्ड का नाम का टैक्स लगा है। जमींदार इसे चुका रहे हैं। हेरगेल्ड नाम एक और टैक्स लगा है, जो वाइकिंग से मुकाबले के लिए नौसेना के काम आएगा। आगे हाउस ऑफ वेसेक्स के आखिरी सम्राट एडवर्ड द कन्फेसर ने 1056 में हेरगेल्ड को खत्म कर दिया, अलबत्ता डेनगेल्ड या जमीन वाले टैक्स की वसूली जारी रही। 11वीं सदी में वाइकिंग का दबदबा टूटने लगा, मगर डेनगेल्ड जारी रहा। अब हम 1066 में हैं, जहां किंग विलियम एक अनोखा काम करने जा रहे हैं, जिसके बाद टैक्स सत्ता की जरूरत बन जाएंगे। विलियम ने विश्व के इतिहास की पहली आर्थिक जनगणना शुरू करा दी है। उनके कारिंदे पूरे मुल्क में घूम-घूमकर जमीन-जायदाद और संपत्तियों का सर्वे कर रहे हैं। यह सर्वे टैक्स लगाने के मकसद से हो रहा है। विलियम की यह व्यवस्था अगले बीस साल तक जारी रहेगी, जिसमें ब्रिटेन के हर घर में जानवरों तक की गिनती होगी। आइए, अब एक किताब देखिए, जिसका नाम है डूम्सडे बुक। दरअसल इसी किताब में विलियम की आर्थिक जनगणना को संजोया गया है। डूम्सडे बुक यानी दुनिया के खात्मे की किताब। इस सर्वे को यह अभागा नाम यों ही मिला है। इस दौर में जजमेंट डे की तरह डूम्सडे शब्द का इस्तेमाल किसी मामले पर आखिरी फैसले के लिए होता है। इसलिए इस किताब में जो दर्ज है, वह पत्थर की लकीर है। इस रोचक किताब के पन्ने पलटते हुए आपको हैरत होगी। डूम्सडे बुक बताती है कि कैसे अलग-अलग तरह की जमीनों को वर्गीकृत कर उन पर टैक्स लगाया जाता था। यह औद्योगिक क्रांति से पूर्व ब्रिटेन का सबसे महत्वपूर्ण दस्तावेज है। इसके साथ संपत्तियों पर टैक्स लगना शुरू हुआ, जो फिर नहीं लौटा। टाइम मशीन की रफ्तार बढ़ाते हुए हम 18वीं सदी में पहुंच रहे हैं। अब हम मिलेंगे एक और विलियम से, जिनके राज में हम इनकम टैक्स का जन्म देखेंगे, जिससे पूरी दुनिया चिढ़ती है। इनकम टैक्स पुराने मिस्र और रोम में लगता था, मगर आज के इनकम टैक्स जैसा नहीं था। यह संपत्ति, खर्च, कमाई आदि पर मिला-जुला टैक्स होता था। आधुनिक इनकम टैक्स भी एक बड़े युद्ध की छाया से निकला है। यह 1799 का ब्रिटेन है। नेपोलियन के साथ युद्ध में बर्तानवी अर्थव्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है। प्रधानमंत्री की कुर्सी पर हैं विलियम पिट द यंगर। युद्ध के खर्च के लिए प्रधानमंत्री ने पहली बार इनकम टैक्स का एलान कर दिया है। टैक्स की न्यूनतम दर दो पेंस है, जो 60 पाउंड की इनकम पर लगाया है। इनकम बढ़ने के साथ टैक्स बढ़ता जाता है। प्रधानमंत्री को एक करोड़ पाउंड चाहिए सेना के लिए। विलियम पिट इसे अस्थायी कहकर लाए हैं। 1802 में उन्होंने इसे हटा लिया। एक साल बाद नेपोलियन फिर चढ़ आया, तो प्रधानमंत्री हेनरी एडिंगटन फिर इनकम टैक्स ले आए। नेपोलियन गुजर गए। किंग-क्वीन की कई पीढ़ियों को वक्त निगल गया। बड़ी-बड़ी जंगें करोड़ों लोगों की जान लेकर इतिहास बन गईं, मगर इनकम टैक्स आया, तो वापस नहीं गया। मगर हमें तो वापस चलना है न। जुलाई खत्म होते-होते इनकम टैक्स रिटर्न भी तो भरना है। टाइम मशीन दिल्ली में उतर रही है। यहां सालाना बजट का मौसम है, आप बस यह दुआ कीजिए कि बजट में नए टैक्स न लगाए जाएं। फिर जल्द मिलेंगे अगले सफर पर...।

अग्नि को सर्वभक्षी होने का मिला शाप, राक्षस को पत्नी पुलोमा की जानकारी देने पर महर्षि भृगु ने

*एक छोटी बच्ची का नाम पुलोमा था। एक दिन पुलोमा किसी बात पर रोने लगी, तो पिता ने उसे डराने के लिए कहा, 'हे राक्षस, तू आकर पुलोमा को ले जा!' दुर्भाग्य से, उस समय एक राक्षस उनके घर में ही छिपा बैठा था। उसे लगा कि नन्ही पुलोमा पर उसका अधिकार हो गया। उसने पुलोमा को मन ही मन अपनी पत्नी मान लिया।** बाद में, पुलोमा जब बड़ी हुई, तो उसके पिता ने उसका विवाह महर्षि भृगु से कर दिया। एक दिन महर्षि भृगु स्नान करने गए थे और उनकी गर्भवती पत्नी पुलोमा आश्रम में अकेली थी। तभी वह राक्षस ब्राह्मण का वेश धारण करके आया। उसे देखकर पुलोमा भिक्षा लाने भीतर चली गई। राक्षस ने उसका अपहरण करने का निश्चय कर लिया। उसने वहां हवन-वेदी में प्रज्वलित अग्नि से पूछा, 'हे अग्निदेव! आप समस्त कृत्यों के साक्षी हैं। सत्य कहिए, क्या यह वही पुलोमा है, जिसे मैंने बचपन में अपनी पत्नी मान लिया था?' हां! यह स्त्री वही पुलोमा है, परंतु इसका विवाह महर्षि भृगु से हो चुका है,' अग्निदेव ने कहा। राक्षस ने कहा, 'इस पर प्रथम अधिकार मेरा है। भृगु से इसका विवाह बाद में हुआ है।' अग्निदेव बोले, 'बचपन में तुमने पुलोमा को अवश्य अपनी पत्नी माना था, किंतु तुम्हारा उससे विवाह नहीं हुआ। मैं पुलोमा के साथ तुम्हारे विवाह का साक्षी नहीं हूं। परंतु भृगु ने मेरे सामने विधिपूर्वक विवाह किया है। इस पर केवल महर्षि भृगु का अधिकार है।' अग्निदेव की बात सुनकर राक्षस को क्रोध आ गया। इस बीच भृगु-पत्नी पुलोमा भिक्षा लेकर बाहर आई। राक्षस के सिर पर खून सवार था। वह ब्राह्मण-वेश त्याग कर असली रूप में आ गया और गर्भवती पुलोमा को उठाकर भागने लगा। झटका लगने से पुलोमा का गर्भस्थ शिशु गिर गया। इस तरह गर्भ से च्युत होने के कारण उस बालक का नाम 'च्यवन' पड़ा, तथा भृगु-वंशज होने के चलते, वह 'भार्गव' भी कहलाया। भृगु-पुत्र च्यवन इतना तेजस्वी था कि राक्षस उसका तेज सहन नहीं कर पाया और तत्काल जलकर भस्म हो गया। इसके बाद भृगु-पत्नी पुलोमा अपने पुत्र च्यवन को लेकर आश्रम लौट आई। कुछ देर बाद जब भृगु आश्रम में लौटे, तो उन्होंने पुलोमा को रोते हुए देखा। पुलोमा ने पूरी घटना सुनाई। भृगु ने उनसे पूछा, 'उस राक्षस ने इतने वर्षों बाद भी तुम्हें कैसे पहचान लिया? तुम्हारे बारे में उसे किसने सूचना दी?' 'अग्निदेव ने!' भृगु की पत्नी ने उत्तर दिया। यह सुनकर क्रोधित भृगु ने हाथ में जल लेकर अग्निदेव को शाप दिया, 'मैं तुम्हें शाप देता हूं कि तुम सर्वभक्षी हो जाओ! अब से तुम किसी भी वस्तु का भक्षण करने लगोगे और तुम्हारी पवित्रता भंग हो जाएगी।' अग्निदेव ने कहा, 'महर्षि, मैं धर्म के प्रति समर्पित हूं। इसलिए असत्य नहीं बोल सकता था। राक्षस ने मुझसे जो कुछ पूछा, मैंने सत्य कहा। आपको शाप वापस लेना होगा।' भृगु ने शाप वापस लेने से मना किया तो अग्निदेव को भी क्रोध आ गया।*

दुकानों पर मालिक का नाम मोबाइल नंबर लिखना जरूरी

उज्जैन में यूपी जैसा आदेश पहले से लागू, अमल न होने पर संतों ने उठाई आवाज

उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांवड़ यात्रा रूट पर आने वाली दुकानों में दुकानदारों को अपना नाम और डिटेल लिखने के आदेश दिए हैं। ऐसा ही आदेश मध्यप्रदेश में उज्जैन नगर निगम एक साल पहले ही दे चुका है, लेकिन एक साल बाद भी इस पर नगर निगम के अधिकारियों ने अमल नहीं किया। आनंद निगम, उज्जैन उज्जैन में एक ही साइज के साइन बोर्ड लगाने का प्रस्ताव भी लाया गया था, जिस पर अमल नहीं किया गया। उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांवड़ यात्रा रूट पर आने वाली दुकानों में दुकानदारों को अपना नाम और डिटेल लिखने के आदेश दिए हैं। ऐसा ही आदेश मध्यप्रदेश में उज्जैन नगर निगम एक साल पहले ही दे चुका है, लेकिन एक साल बाद भी इस पर नगर निगम के अधिकारियों ने अमल नहीं किया।

इस बार सावन के महीने में आदेश पर सख्ती से अमल करवाएंगे। दूसरी तरफ यूपी और उत्तराखंड में आदेश जारी होने के बाद महाकाल मंदिर के पुजारी, अखिल भारतीय पुजारी संघ के अध्यक्ष सहित आव्हान अखाड़े के महामंडलेश्वर ने ये मांग फिर से उठाई है। उज्जैन मेयर - मुकेश टटवाल

पिछले साल 9 अगस्त को नगर निगम की राजस्व समिति की बैठक में समिति अध्यक्ष रजत मेहता की ओर से ये प्रस्ताव रखा गया था। इसमें कहा गया था कि दुकानदार स्पष्ट शब्दों में दुकान के सामने अपना नाम और मोबाइल नंबर लिखें। ऐसा न करने वालों के खिलाफ एफआईआर का भी प्रावधान किया गया था। एक साल में भी इस पर अमल क्यों नहीं हुआ? इसे लेकर नगर निगम कमिश्नर आशीष पाठक का कहना है कि इसका नोटिफिकेशन कर दिया है। जल्द ही क्रियान्वयन शुरू किया जाएगा।

राजस्व प्रकरणों के त्वरित निराकरण के लिए जिले में चलाया जा रहा राजस्व महाअभियान- प्रभारी कलेक्टर श्री अमन वैष्णव

राजस्व अभिलेखों के त्रुटियों को किया जाएगा दुरुस्त- प्रभारी कलेक्टर श्री अमन वैष्णव

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ अनुपपुर, राज्य शासन द्वारा राजस्व प्रकरणों के त्वरित निराकरण एवं राजस्व त्रुटियों के सुधार के लिए प्रदेश में राजस्व महा-अभियान 2.0 संचालित किया जा रहा है। राजस्व महा-अभियान 2.0 के क्रियान्वयन से जनप्रतिनिधियों को अवगत कराने कलेक्ट्रेट स्थित नर्मदा सभागार में प्रभारी कलेक्टर श्री अमन वैष्णव की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में विधायक पुष्पराजगढ़ श्री फुंदेलाल सिंह मार्को, जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती प्रीति रमेश सिंह, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती पार्वती राठौर, संयुक्त कलेक्टर श्री दिलीप कुमार पाण्डेय, जनपद पंचायत जैतहरी के अध्यक्ष श्री राजीव सिंह, जिला पंचायत की सदस्य श्रीमती भुवनेश्वरी सिंह, जिला पंचायत की सदस्य किरण चर्मकार, जनप्रतिनिधि श्री रमेश सिंह सहित अधीक्षक भू-अभिलेख उपस्थित थे। बैठक में प्रभारी कलेक्टर ने जनप्रतिनिधियों को जानकारी दी कि राज्य शासन द्वारा जिले में राजस्व प्रकरणों के त्वरित निराकरण और राजस्व अभिलेख के त्रुटियों को सुधार हेतु 18 जुलाई से 31 अगस्त तक राजस्व महा-अभियान 2.0 चलाया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य राजस्व न्यायालय में समय-सीमा बाह्य लंबित प्रकरणों का निराकरण, नए राजस्व प्रकरणों को आरसीएमएस पर दर्ज कराना, नक्शे पर तरमीम, पीएम किसान योजना के तहत सभी पात्र किसानों को लाभ देना, समग्र का आधार ई-केवाईसी और खसरे की समग्र/ आधार से लिंकिंग एवं फार्मर रजिस्ट्री का क्रियान्वयन है। डिजिटल क्रॉप सर्वेक्षण एक अगस्त से 15 सितम्बर तक होगा। इस संबंध में प्रभारी कलेक्टर ने जनप्रतिनिधियों को जानकारी दी कि राजस्व अधिकारी डोर-टू-डोर सर्वे तथा शिविर लगाकर प्राप्त आवेदनों का निराकरण करना सुनिश्चित करेंगे। बैठक में प्रभारी कलेक्टर ने जनप्रतिनिधियों को तहसीलवार लंबित, नामांतरण, बंटवारा, अभिलेख दुरूस्ती, नामांतरण की समय-सीमा से बाहर की स्थिति, नक्शा तरमीम, समग्र आईडी लिंक सहित अन्य विभिन्न लंबित प्रकरणों की जानकारी जनप्रतिनिधियों को दी। उन्होंने बताया कि जिले में स्वामित्व योजना के अंतर्गत लंबित सभी प्रकरणों का निराकरण शत-प्रतिशत किया जा चुका है। राजस्व महा-अभियान 2.0 की प्रतिदिन मॉनीटरिंग एवं समीक्षा की जा रही है। अभियान में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाशत नहीं की जाएगी। बैठक में प्रभारी कलेक्टर ने जनप्रतिनिधियों से कहा कि सभी जनप्रतिनिधि अपने क्षेत्र अंतर्गत लोगों को इस अभियान के प्रति जागरूक करें, जिससे अधिक से अधिक राजस्व के लंबित प्रकरणों का निराकरण तत्परता से हो सके। बैठक में जनप्रतिनिधियों ने सुझाव दिया कि राजस्व अधिकारी-कर्मचारी राजस्व महा-अभियान 2.0 का गंभीरता तथा संवेदनशीलता के आधार पर प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित करें। इस संबंध में समय-समय पर उनके कार्यों की गहनता से समीक्षा की जाए। जनप्रतिनिधियों ने कहा कि जनसुनवाई, सीएम हेल्पलाईन या अन्य विभिन्न माध्यमों से किसानों और लोगों के प्राप्त राजस्व संबंधी समस्याओं का निराकरण इसी अभियान के माध्यम से कराया जाना चाहिए। जनप्रतिनिधियों ने कार्य में लापरवाही बरतने वाले अमले के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही का भी सुझाव दिया। बैठक में जनप्रतिनिधियों द्वारा राजस्व महा-अभियान के संबंध में आवश्यक सुझाव दिए गए।

जिला पंचायत के सभी 10 सदस्य निर्विरोध

चुने गए जिला योजना समिति के सदस्य

नगरपालिका से श्री रामअवध सिंह, नगर परिषद से डॉ. सुनील कुमार चौरसिया जिला योजना समिति अनूपपुर के सदस्य निर्वाचित

यशपाल सिंह जाट। सिटी चीफ अनुपपुर, जिला योजना समिति अनूपपुर के सदस्यों का निर्वाचन शुक्रवार को जिला पंचायत सभागार में किया गया। ग्रामीण क्षेत्रों के लिए जिला पंचायत के निर्वाचित सदस्यों में से 10 सदस्यों का निर्वाचन निर्विरोध सम्पन्न हुआ। जिला पंचायत के सदस्यों की संख्या 10 होने से सभी 10 अभ्यर्थियों को मध्यप्रदेश जिला योजना समिति निर्वाचन नियम 1995 के नियम 11 (1) के तहत जिला योजना समिति निर्वाचन ग्रामीण की पीठासीन अधिकारी एसडीएम अनूपपुर श्रीमती दीपशिखा भगत ने सम्यक् रूप से निर्वाचित घोषित किया। निर्वाचित होने वाले जिला पंचायत सदस्यों में श्रीमती भुवनेश?वरी सिंह, श्री भूपेन्द्र सिंह, श्रीमती किरण देवी चर्मकार, श्री रामजी रिन्कू मिश्रा, श्री रंजीत सर्राटी, श्री नर्मदा सिंह, श्री दरोगा सिंह, श्रीमती यशोदा सिंह, श्रीमती पार्वती राठौर, सुश्री भारती केवट शामिल हैं। दूसरे चरण में जिले के नगरपालिका एवं नगर परिषद के निर्वाचित सदस्यों में से एक-एक सदस्यों का जिला योजना समिति के सदस्य के रूप में निर्वाचन कार्यक्रम के तहत मतदान सम्पन्न हुआ। जिसमें नगर परिषद से एक सदस्य के निर्वाचन हेतु डाले गए मतों की संख्या 85, कुल विधिमान्य मतों की संख्या 82, अविधिमान्य मतों की संख्या 3 रही। श्री निर्भय नारायण राव को 24 मत तथा डॉ. सुनील कुमार चौरसिया को 58 मत प्राप्त हुए। इस तरह सर्वाधिक 58 मत प्राप्त कर डॉ. सुनील कुमार चौरसिया निर्वाचित घोषित किए गए। इसी तरह नगरपालिका परिषद से जिला योजना समिति अनूपपुर के सदस्य के निर्वाचन हेतु डाले गए मतों की संख्या 61, कुल विधिमान्य मतों की संख्या 61, अविधिमान्य मतों की संख्या निरंक रही। अभ्यर्थी श्री रामअवध सिंह को 53, रजिया बेगम को 8 मत प्राप्त हुए। इस तरह सर्वाधिक 53 मत प्राप्त कर श्री रामअवध सिंह निर्वाचित घोषित किए गए। पीठासीन अधिकारी श्रीमती दीपशिखा भगत ने निर्वाचित घोषित सदस्यों को प्रमाण पत्र प्रदान किया। निर्वाचन के दौरान सभी व्यवस्थाएं चाकचौबंद रखी गई थीं।

कमिश्नर ने राजस्व न्यायालय जैतहरी का किया निरीक्षण

बटवारा, नामांतरण और सीमांकन के प्रकरणों का निराकरण नहीं होने पर व्यक्त की नाराजगी

यशपाल सिंह जाट। सिटी चीफ अनूपपुर, निरीक्षण के दौरान कमिश्नर ने राजस्व न्यायालय तहसीलदार जैतहरी के न्यायालय 2021,2022, 2023 में दर्ज राजस्व प्रकरण बटवारा नामांतरण, सीमांकन के प्रकरणों का निराकरण नहीं होने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की। कमिश्नर ने राजस्व न्यायालय में नामांतरण, नक्शा तरमीम के प्रकरणों की बड़ी संख्या पर भी कड़ी नाराजगी व्यक्ति की। कमिश्नर ने निरीक्षण के दौरान पाया कि तहसीलदार जैतहरी के राजस्व न्यायालय बड़ी संख्या में राजस्व प्रकरण निराकरण के लिए लंबित हैं, तहसीलदार, नायब तहसीलदार और प्रवचन शाखा के लिपिको द्वारा राजस्व प्रकरण दर्ज ही नहीं किए गए हैं और राजस्व प्रकरण दर्ज भी किए गए हैं तो प्रकरणों का निराकरण नहीं किए गए हैं।। कमिश्नर ने राजस्व न्यायालयो में इस प्रकार की अराजक स्थिति पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए जैतहरी तहसील में पूर्व में पदस्थ तहसीलदार श्री धनीराम ठाकुर को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने की निर्देश दिए। वही कमिश्नर ने अनविभागीय अधिकारी राजस्व जैतहरी, नायब तहसीलदार एवं राजस्व विभाग के अमले को चेतावनी दी है कि वह राजस्व प्रकरणों में अति गंभीरता पूर्वक कार्य करें। कमिश्नर ने निरीक्षण के दौरान कहां की राजस्व न्यायालयो के कार्यों के सुपरविजन की भारी कमी है, उच्च अधिकारियों, एसडीएम अधीनस्थ राजस्व न्यायालयो का निरीक्षण नहीं कर रहे हैं इसके कारण राजस्व न्यायालय में कई वर्षों की राजस्व प्रकरण लंबित हैं। कमिश्नर ने निर्देश दिए कि अधीनस्थ राजस्व न्यायालय, अनुविभागीय राजस्व अधिकारी, अपर कलेक्टर समय-समय पर निरीक्षण करें। निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर श्री अमन वैष्णव, एसडीएम जैतहरी श्रीमती अंजली द्विवेदी, संयुक्त आयुक्त विकास श्री मगन सिंह कनेश सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

निरीक्षण दल ने आवश्यक दस्तावेजों तथा व्यवस्थाओं का किया परीक्षण, दिए दिशानिर्देश

गैर मान्यता चिकित्सा व्यवसाय को नियंत्रित करने एक संजीवनी हॉस्पिटल व दो क्लीनिकों पर छापा

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ अनूपपुर, कलेक्टर आशीष वशिष्ठ के निर्देशानुसार संयुक्त कलेक्टर दिलीप कुमार पाण्डेय तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर ए.के. अवधिया ने सिंधी धर्मशाला गुरुद्वारा के पास अनूपपुर स्थित संजीवनी हॉस्पिटल, स्टेट बैंक रोड आदर्श मार्ग अनूपपुर में स्थित रामबाण औषधालय तथा तिवारी क्लीनिक का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल एवं क्लीनिक में सफाई व्यवस्था, वैध पंजीयन तथा समस्त प्रकार के आवश्यक दस्तावेजों की जांच की। निरीक्षण दल के सदस्यों द्वारा संजीवनी हॉस्पिटल के निरीक्षण के दौरान साफ-सफाई की कमी पाई गई, हॉस्पिटल में मरीज के परिजनों के बैठने की उचित व्यवस्था नही मिलने, मरीज के पास फीस संबंधी रशीद नहीं पाई गई तथा समय पर यूएसजी रिपोर्ट पर ऑनलाइन जमा करना पाया गया, जिस पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा आवश्यक कार्रवाई की गई। इसी प्रकार निरीक्षण दल के सदस्यों ने रामबाण औषधालय के निरीक्षण के दौरान मार्च 2024 तक पंजीयन पाया जिसे तत्काल बंद करने की कार्यवाही की तथा बीएएमएस की डिग्री एवं आयुष की दवा का भी अवलोकन किया। निरीक्षण दल के सदस्यों द्वारा पूर्व जिला आयुष अधिकारी डॉ. आर. पी. तिवारी के क्लीनिक का भी निरीक्षण किया गया, जहां क्लीनिक का रजिस्ट्रेशन नहीं पाए जाने पर क्लीनिक को बंद करने के लिए कहा गया जब तक रजिस्ट्रेशन की कार्यवाही पूर्ण न हो जाए। इस दौरान निरीक्षण दल के सदस्यों ने डॉ. तिवारी के बीएएमएस डिग्री का भी अवलोकन किया। उल्लेखनीय है कि जिले में गैर मान्यताधारी व्यक्तियों एवं झोलाछाप चिकित्सकों द्वारा प्रदाय चिकित्सा व्यवसाय को नियंत्रित करने हेतु आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।

गायत्री परिवार जबलटोला के कार्यकर्ता नेमीचंद चौहान को पत्नीशोक

गमगीन माहौल में सम्पन्न हुआ अंतिम संस्कार

शरद धनेश्वर । सिटी चीफ लालबर्रा, लालबर्रा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत नगपुरा के ग्राम जबलटोला निवासी गायत्री प्रज्ञा पीठ मंदिर परिवार के कार्यकर्ता नेमीचंद चौहान को पत्नीशोक हो गया। धर्मप्रेमी नेमीचंद चौहान की धर्मपत्नी श्रीमती नीता चौहान एक गंभीर बीमारी से लगभग एक महिनें से अस्वस्थ चल रही थीं, जिनका उपचार के दौरान नागपुर के एक अस्पताल में 19 जुलाई 2024 की रात्रि 8ः30 बजे आकस्मिक निधन हो गया। श्रीमती नीता चौहान सरल, सहज, मिलनसार व मधुर स्वभाव की धनी थी, इनकी ग्राम के सामाजिक व धार्मिक कार्यों में अग्रणी भूमिका रहती थी। वे 42 वर्ष की अल्प आयु में अपने पीछे सासू मां, पति, दो पुत्री व एक पुत्र सहित भरा पूरा परिवार तथा नाते -रिश्तेदार को छोड़कर स्वर्ग सिधार गई। जिनका अंतिम संस्कार शनिवार को स्थानीय मोक्षधाम जबलटोला में परिजनों, नाते रिश्तेदार, चित परिचित एवं समस्त ग्राम वासियों की गमगीन उपस्थिति में हिंदू रीति रिवाज के अनुसार अग्नि देकर एवं मृत आत्मा की शांति व दुःखी परिवार को इस दुःख की घड़ी में सहन शक्ति प्रदान करने के लिए दो मिनट का मौन धारण कर शोक सभा कर संपन्न हुआ। जहां अंतिम संस्कार में उपस्थित ग्रामीण धनीराम बिसेन, बांदरी युवा सरपंच व्यंकट राहंगडाले, दीनाराम बिसेन, झाड़ूलाल चौहान, रूपचंद चौहान, फगलाल ठाकरे, सरवन चौहान, डॉ नानाजी चौहान, पूर्व सरपंच नारायण आगरे, बीडीसी हरिशंकर मुन्ना बनवारी, मोहन राणा व डॉ बालकिशोर चौधरी सहित सैकड़ो की संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

130 वें मृदंगाचार्य पं. नानासाहेब पानसे स्मृति गुरूपूर्णिमा संगीत समारोह बकायन में 21 एवं 22 जुलाई 2024 को

प्रदेश के मंत्री गण, सांसद होंगे शामिल,विभिन्न कार्यक्रमों का होगा आयोजन

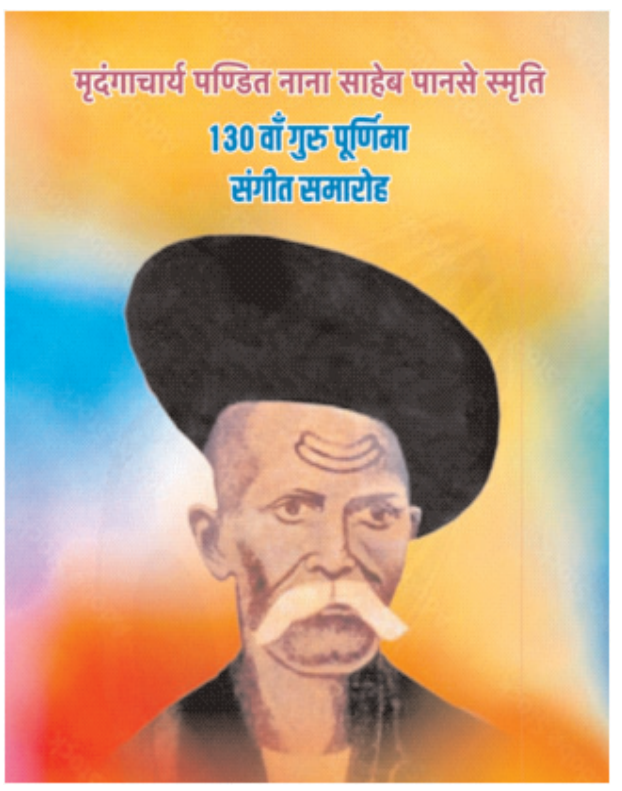

धीरज कुमार अहीरवाल। सिटी चीफ दमोह, प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी संस्कृति विभाग भोपाल के तत्वावधान में देश के सबसे प्राचीन शास्त्रीय संगीत समारोह 130 वें मृदंगाचार्य नाना साहेब पानसे स्मृति गुरूपूर्णिमा संगीत महोत्सव 21 एवं 22 जुलाई 2024 को दमोह जिले के ग्राम बकायन में प्रदेश के संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेन्द्र सिंह लोधी के मुख्य आतिथ्य, पशुपालन एवं डेयरी विभाग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) लखन पटेल की अध्यक्षता तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, सांसद दमोह राहुल सिंह लोधी, पिछड़ा वर्ग राज्य कल्याण आयोग के अध्यक्ष डॉ. रामकृष्ण कुसमरिया, पूर्व वित्त मंत्री एवं विधायक जयंत कुमार मलैया एवं हटा विधायक उमा देवी खटीक विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे। गुरू पूर्णिमा आयोजन समिति के अध्यक्ष विवेक शेण्ड्ये, संरक्षक अरूण पलनीटकर एवं संयोजक अर्जुन पटैल तथा डॉ. आलोक सोनवलकर ने उस्ताद अलाउद्दीन खाँ संगीत एवं कला अकादमी द्वारा संयोजित की जा रही दो दिवसीय संगीत सभाओं में सभी को सादर आमंत्रित किया है। कार्यक्रम में प्रथम दिवस 21 जुलाई 2024 को सायंकालीन सभा में बकायन संगीत अखाड़ा के शिष्यगणों द्वारा स्वरांजलि एवं पारंपरिक बंदिशों के उपरांत इंद्राणी मुखर्जी कोलकाता द्वारा गायन, आलोक-डॉली दिल्ली द्वारा कथक युगल नृत्य, अनिरूद्ध जोशी पुणे/भोपाल द्वारा सितार वादन एवं निवेदिता पंड्या इंदौर द्वारा कथक समूह नृत्य की प्रस्तुति दी जायेगी। इसी प्रकार 22 जुलाई को सायंकालीन मंदिर सभा सायं 04 बजे से एवं रात्रिकालीन सभा सायं 08ः30 बजे से होगी। बकायन संगीत अखाड़ा शिष्यगणों द्वारा परंपरागत बंदिशों की पुस्तुति, मोहन वीणा वादन पं. सतीष खानवलकर द्वारा, ओडीसी समूह नृत्य रोजलीना सुंदराय द्वारा, गायन विनय रामदासन द्वारा एवं समूह कथक नृत्य भैरवी विश्वरूप द्वारा प्रस्तुत किया जायेगा।

बारिश से कजंई बेरियर का पुल आया उफान पर,कुछ देर के लिए बाधित रहा मार्ग

शरद धनेश्वर । सिटी चीफ लालबर्रा, नगर मुख्यालय से लगभग 15 किलोमीटर कि दूरी पर स्थित ग्राम पंचायत कजंई बेरियर के पास का नाला बारिश कि वजह से उफान पर आ गया जिससे आवागमन बाधित रहा तथा कुछ देरों के लिए वाहनों कि कतारें लग गई जिस वजह से मार्ग पर जाम कि स्थिति निर्मित हो गई। जानकारी अनुसार 20 जुलाई को सुबह से ही लगातार बारिश होते रही जिस वजह से पुल पर से सड़क में पानी बहने लगा वहीं उक्त पुल लालबर्रा व सिवनी हाईवे मार्ग पर होने कि वजह से यहां पर चार पहिया वाहन अधिक दौड़ते हैं तथा स्कूली बच्चों, तथा दो पहिया वाहन सहित अन्य लोगों का आवागमन लगातार होते रहता है, वहीं उक्त पुल कि कि उंचाई कम होने कि वजह से भी जरा सी बारिश होने पर पानी पुल के उपर से सड़क में बहने लगता है तथा आवागमन कई बार बाधित होते रहता है। वहीं जब संबंध में कजंई के स्थाई पटेल आशिष बिसेन जी से दुरभाष पर जानकारी ली गई तो उनके द्वारा बताया गया कि आज सुबह से ही लगातार बारिश होने कि वजह से उक्त पुल उफान पर आ गया था तथा 1 बजे के आसपास सड़क के दोनों ओर से पानी जा रहा था तथा दो घंटे तक मार्ग अवरूद्ध रहा सड़क के दोनों ओर जाम सा लग गया जिसकी जानकारी 100 डायल को दि गई तथा मौके पर पुलिस बल पहुंचकर वाहनों को व्यवस्थित करवाया गया तत्पश्चात यह मार्ग पुनः चालू हो गया है।

सरकार के जारी आदेश के खिलाफ एकजुट हुए सरपंच, 15 सुत्रीय मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम दिया ज्ञापन

सरपंच संघ को मिला जिला पंचायत अध्यक्ष का समर्थन

मैं मांगों को लेकर मुख्यमंत्री जी से मिलूंगा : सम्राट

शरद धनेश्वर । सिटी चीफ लालबर्रा । **बालाघाट,** सरपंच साथियों के साथ में मिलकर समस्या को लेकर हम पुरे नोट्स बनाकर अपने मंत्री जी व मुख्यमंत्री जी के सामने पेश करने जा रहे हैं उक्त बातें जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सम्राट अशोक सिंह सरस्वार ने सरपंच संघ कि महत्वपूर्ण बैठक में कहीं वहीं उक्त आयोजित बैठक जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सम्राट अशोक सिंह सरस्वार,वैभव बिसेन जिला अध्यक्ष सरपंच संघ, सहित समस्त ब्लाक अध्यक्ष सरपंच कि उपस्थिति में यह बैठक 20 जुलाई दिन शनिवार को जिला पंचायत सभागार में प्रारंभ हुई जिसमें जिला सरपंच संघ अध्यक्ष श्री वैभव बिसेन जी के आह्वान पर जिले के सभी सरपंच साथी एकजुट हुए तथा अपनी एकता का परिचय देते सरकार ने जो मनरेगा संबंधित जो आदेश 1 जुलाई को पारित किया है उस आदेश को तत्काल वापस लेने व अन्य और भी मांगों को लेकर सरकार पर मुखर नजर आये वहीं सरपंच संघ को जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सम्राट अशोक सिंह सरस्वार का भी समर्थन मिला।

ज्ञात हो कि 1 जुलाई 2024 को म प्र सरकार ने जो मनरेगा संबंधित आदेश पारित किया है तब ही से सरपंच संघ जारी आदेश के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद कर रहा है जिसकी शुरुआत लालबर्रा से हुई तथा 20 जुलाई 2024 को जिला सरपंच संघ कि महत्वपूर्ण बैठक जिला पंचायत के सभागार में आहुत हुई जिसमें जिले भर से सरपंच साथी उपस्थित होते हुए अपनी एकता

का परिचय दिये।

एक दर्जन से अधिक मांगों को लेकर एकजुट हुए सरपंच ज्ञात हो कि सरपंच संघ कि एक दर्जन से भी अधिक मांगे हैं जिसको लेकर जिला पंचायत सभागार में सभी सरपंच साथी एकजुट हुए तथा मांगों को लेकर अपनी अपनी बातें रखीं गई जिसमें मध्य प्रदेश पंचायती राज ग्राम स्वराज 1993- 94 को पुनः पुनः लागू किया जाए एवं सरपंचों को 1993-94 के पूरे अधिकार दिए जाए, ग्राम पंचायतों मे रोजगार सहायक/सचिव स्थांनतरण तत्काल प्रभाव से लागू किया जाए,मनरेगा योजना अंतर्गत प्रत्येक ग्राम पंचायत में जितने भी ग्राम आते हैं उस हिसाब से प्रत्येक ग्राम में 2- 2 सुदूर सड़क पंचायत को पावर दिया जाए एवं प्रत्येक ग्राम में दो-दो सड़क खोली जाए जिससे किसान की सड़क बन सके, सरपंचों का मानदेय 4250 से बढ़ाकर 20,000 किया जाए, टाइट अनटाइट व्यवस्था खत्म की जाए ग्राम सभा के प्रस्ताव अनुरूप राशि पंचायत में लगे।

प्रत्येक ग्राम पंचायत में शासकीय भूमि पर अतिक्रमण कर रखा है किसी भी शासकीय बिल्डिंग एवं अन्य शासकीय निर्माण कार्य करने में कठिनाई आती है 15 दिन के अंदर संबंधित विभाग अतिक्रमण हटाए,ग्राम पंचायत के समस्त निर्माण कार्य एस.ओ. आर.दर बढ़ाकर पी.डब्ल्यू.डी.के मान से किया जाए,मुख्यमंत्री लाडली बहना से वंचित सभी महिलाओं के लिए पोर्टल दोबारा खोला जाए एवं सरपंच बहनों को लाडली बहनों का लाभ दिया जाए,शासन द्वारा चलाई गई योजना एन.एम.एस. मोबाइल मानिटरिंग सिस्टम यानी मौके पर जाकर मजदूरों के हाजरी एवं फोटो खींचकर अपलोड किया जाता है ऐसी स्थिति में नेटवर्क न होने के कारण या एप खुलने की वजह से मस्टर जीरो हो जाता है मजदूर कार्य करते हुए भी गैर हाजिर हो जाता है मोबाइल मानटरिंग सिस्टम हटाया जाए, ग्राम पंचायत के कर्मचारी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता आशा कार्यकर्ता रोजगार सहायक एवं सचिव इनके मानदेय पर सरपंच के हस्ताक्षर से निकासी हो,खेत सड़क सुदूर सड़क की स्वीकृति दी जाए एवं उनमें लगने वाले मैटेरियल जैसे मिट्टी वजरा को पंचायत से निःशुल्क को उठाने की स्वीकृति दी जावे,सरपंच को 30 परसेंट स्वक्षा निधि दी जाए जिसमें जरूरतमंदों को ग्राम सभा के प्रस्ताव द्वारा दी जा सके, आवंटित कोटा में से 20ब आवास ग्राम सभा की प्रस्ताव अनुसार अती जरूर बेसहारा गरीबों को दी जाए,जैसे कि प्रधानमंत्री सड़क एवं पी.डबल्यू.डी सड़क के लिए 5 साल में दोबारा कार्य कराया जाता है लेकिन खेत सड़क में नहीं बल्कि यह तो कच्चा कार्य है इसे तो हर 2 साल में नगद राशि मरम्मत के लिए दी जाए गांव की मुख्य समस्या है सहित अन्य मांगे शामिल रही है। उक्त सभी मांगों को मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया तथा मुख्यमंत्री आवास का घेराव कि बात भी कही गई है। वहीं सरपंच संघ कि सभी मांगों को समर्थन करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सरस्वार ने कहा कि 23,24 व 25 को प्रदेश स्तरीय सम्मेलन भोपाल में हमारे आदरणीय मुख्यमंत्री जी व प्रहलाद सिंह पटेल जी के माध्यम से होने जा रहा है जिसमें पूरे प्रदेश में क्या समस्या है हर किसी को तो इसके पहले हम सम्मेलन में उसको लेकर हम पूरे नोट्स बनाके अपने मंत्री जी एवं मुख्यमंत्री जी के सामने पेश करने जा रहे हैं तो उसी में आज जो भी समस्या इन लोगों कि है उनको सरकार के सामने रखेंगे ताकि इनकी जो समस्या है उसको दूर कर सके वही प्रमुख समस्या तो जो इन्होंने जो मनरेगा में जो चेंज किया है इसमें एक स्वतंत्रता होती थी और दो टाईप का जो एक लेबर और मटेरियल से संबंधित पेमेंट होता था उसको समाप्त किया जा रहा है अपनी मनमानी के हिसाब से जो कामों को रोका जा रहा है उसको लेकर सरपंच भाई काफी चिंतित है क्योंकि मनरेगा के अलावा हमारे सरपंच भाइयों के पास में ऐसा कोई भी माध्यम नहीं है जिसके माध्यम से काम करा सके क्योंकि 15 वें वित्त में बहुत ही थोड़ा सा पैसा आता है जिसमें कोई काम नहीं करवाया जा सकता तो उसी सब चीजों को लेकर चिंतित है हमारे भाईयों के साथ बैठे हैं और आगे क्या रणनीति बनाते हैं उसे पर विचार कर रहे हैं मैं जाके इनकी बातों को पाईंट टू पाईंट बनाके पर्सनली मैं मुख्यमंत्री जी से मिलूंगा।

वहीं सरपंच संघ जिला अध्यक्ष वैभव बिसेन ने चर्चा में बताया कि 1 जुलाई को मनरेगा का आदेश पारित किया गया है केवल यहां मजदूरी के काम है मटेरियल संबंधी कोई पक्के काम नहीं है उसमें पूरा सरपंच मध्य प्रदेश का सरपंच भयभीत हो गया है काम कैसे करें विचार मंथन चल रहा है आज जिले के सरपंच भाई यहां पर एकत्रित हुए लगभग सभी सरपंच आए हैं आज की बैठक जिला पंचायत अध्यक्ष की प्रमुख अतिथि में आयोजित करवाई थी और बैठक में यह तय किया गया है कि 23 तारीख से गवर्नमेंट का जो ट्रेनिंग कार्यक्रम चल रहा है भोपाल में 23,24 व 25 को तीन दिन ट्रेनिंग होना है 23 को सरपंच कि 24 को जनपद सदस्य व जिला पंचायत सदस्यों कि जिसमें जिला पंचायत सदस्य भी शामिल हो रहे हैं बालाघाट से तो इन सारे मुद्दों को सरकार के समक्ष रखेंगे और साथ में 23 तारीख को राष्ट्रीय सरपंच संघ व अखिल भारतीय पंचायत परिषद का संयुक्त मोर्चे कार्यक्रम और धरना प्रदर्शन मुख्यमंत्री आवास का घेराव उसमें यहां से हमारा सरपंच संघ पूरी ताकत के साथ जा रहा है और जो आदेश हुआ है इसका हम पूरा विरोध करेंगे और इसको हम बदलवाकर रहेंगे ऐसे में हम काम ही नहीं कर पाएंगे, मजदूरी ही नहीं मिलेगी तो हमारा मजदूर जाएगा कहां क्योंकि यह हमारा ट्राईवर एरिया है बैहर, बिरसा व परसवाड़ा हो गया 100 परसेंट मनरेगा पर निर्भर है मनरेगा योजना में इतनी भारी कटौती हो गई तो हम काम कैसे कर पाएंगे और हमारे बाकी के जो बचे हुए ब्लॉक हैं। वहां पर भी मनरेगा का ही काम होता है इसके अलावा और भी अन्य मांगे हैं प्रधानमंत्री आवास की मांग है प्रधानमंत्री आवास पिछले 4 साल से एक भी मकान है जो नये चालू नहीं हुए हैं जो सूची आने की है वह सूची नहीं आई है सरकार ने बोली कि लाडली बहना आवास योजना लायेंगे किंतु लाडली बहना की सूची आज तक प्रकाशित नहीं हुई है यदि हमारी मांगे पूरी नहीं हुई तो हम लोग पंचायत के सभी काम बंद कर देंगे सहित अन्य और भी बातें कही गई है।

कर्नाटक के महामहिम राज्यपाल श्री थावरचंद गेहलोत ने श्री दीपक भीमावद को श्रद्धांजलि दी

महामहिम राज्यपाल श्री गेहलोत ने विधायक श्री अरूण भीमावद सहित शोक संतृप्त परिवार के सदस्यों को सांत्वना भी दी

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, कर्नाटक के महामहिम राज्यपाल श्री थावरचंद गेहलोत ने आज शाजापुर पहुँचकर विधायक श्री अरुण भीमावद के छोटे भाई स्व. श्री दीपक भीमावद के आकस्मिक निधन पर श्रद्धांजलि देते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित किए। महामहिम राज्यपाल श्री गेहलोत ने विधायक श्री अरुण भीमावद सहित शोक संतृप्त परिवार के सदस्यों को सांत्वना भी दी।

गुरु पूर्णिमा पर भैरवनाथ को आज चढ़ेगी मदिरा

भैरव डूंगरी पर उमड़ेगा आस्था का सैलाब

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, गुरु पूर्णिमा के मौके पर शहर में विभिन्न धार्मिक आयोजन संपन्न होंगे और इस दिन भक्त बाबा भैरवनाथ की विशेष पूजा-अर्चना कर मंगलकामनाएं करेंगे। इसीके साथ स्थानीय बापू की कुटिया पर आयोजित पांच दिवसीय पंच कुंडीय यज्ञ का पूर्णाहुति के साथ समापन होगा। गौरतलब है कि बापू की कुटिया पर प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी गुरु पूर्णिमा को लेकर पांच दिवसीय यज्ञ का आयोजन किया गया है जिसका समापन आज रविवार को होगा। साथ ही नगर कोतवाल के नाम से प्रसिद्ध भैरव डूंगरी स्थित भैरव बाबा को भक्तों द्वारा श्रद्धा के साथ मदिरा चढ़ाकर विशेष चोला चढ़ाया जाएगा। उल्लेखनीय है कि गुरु पूर्णिमा का पर्व जिलेभर में उत्साहपूर्वक मनाया जाएगा और इस दिन नित्यानंद आश्रम में बापजी की पूजा की जाएगी। साथ ही समीपस्थ गांव मूलीखेड़ा में जयनारायण बापजी की धर्म पत्नी की प्रतिमा की पूजा-अर्चना होगी। वहीं गुरु पूर्णिमा के मौके पर प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी शहर से लगभग तीन किमी दूर स्थित भैरव डूंगरी पर आस्था उमड़ेगी और करीब एक हजार फीट की ऊंचाई पर चढक़र भक्त भैरव बाबा के दर्शन पूजन करेंगे। बाबा की प्राचिन प्रतिमा पर भक्तों के द्वारा श्रद्धा स्वरूप मदिरा और पान का पत्ता चढ़ाया जाएगा। इसीके साथ डूंगरी परिसर में चाट और खेल खिलौने की दुकानें भी लगाई जाएंगी। सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस बल और स्वास्थ्य सेवाओं के लिए जिला चिकित्सालय का स्टॉफ मौजूद रहेगा। भैरव डूंगरी पर पूजन का दौर सुबह से लेकर शाम तक जारी रहेगा।

बूथ के कार्यकर्ताओं की मेहनत से ही ऐतिहासिक जीत हासिल हुईः प्रीतम सिंह

कार्यकर्ताओं का सम्मान भाजपा में ही संभव हैः जयंत मलैया

धीरज कुमार अहीरवाल। सिटी चीफ दमोह, भारतीय जनता पार्टी बांसा मंडल की कार्यसमिति की बैठक मंडपेश्वर मंडपा धाम में आयोजित की गई। मंडल कार्यसमिति की बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष एड प्रीतम सिंह ने की। मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री दमोह विधायक जयंत मलैया, सांसद राहुल सिंह के साथ मंडल अध्यक्ष देवकी नंदन पटेल, मंडल प्रभारी राम लाल उपाध्याय, जिला महामंत्री गोपाल पटेल, जिला उपाध्यक्ष रमन खत्री, कोषाध्यक्ष सुरेश पटेल, जिला मीडिया प्रभारी राघवेन्द्र सिंह परिहार,सह प्रभारी महेन्द्र जैन, जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधी राजू ठाकुर, जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधी संतोष आठ्या, जिला पंचायत सदस्य धर्मेन्द्र चटन पटेल मंचासीन रहें।

पुष्पहार और भाजपा का अंगवस्त्र पहना किया बूथ समिति सदस्यों एवं कार्यकर्ताओं का सम्मान

सर्वप्रथम अतिथियों के द्वारा मां भारती व पार्टी के पितृपुरुष डॉ श्यामाप्रसाद मुखर्जी, पं दीनदयाल उपाध्याय का स्मरण कर प्रज्वलन कर बैठक का शुभारंभ किया। बैठक में उपस्थित बूथ समिति सदस्यों, पोलिंग एजेंट एवं कार्यकर्ताओं का अतिथियों द्वारा पुष्पहार और भाजपा का अंगवस्त्र पहना कर सम्मान किया गया एवं विधानसभा और लोकसभा चुनाव में बूथ स्तर पर उनकी अथक परिश्रम से मिली जीत पर बधाई दी।

बूथ के कार्यकर्ताओं की मेहनत से ही ऐतिहासिक जीत हासिल हुई जिला अध्यक्ष प्रीतम सिंह ने मंडल कार्यसमिति बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा को मंडल के हर बूथ पर जीत दिलाने का कार्य भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया है, जीत के क्रम को बनाएं रखना है और आप सब की मेहनत की दम पर 2028 और 2029 में भी एतिहासिक जीत हासिल करेंगे। उन्होंने कहा कि शक्ति केंद्र सम्मेलन आयोजित किया जाना है जिसमें बूथ समिति सदस्यों सहित कार्यकर्ता, पोलिंग एजेंट का सम्मान किया जाना है। 21 जुलाई को गुरू पूर्णिमा पर अपने-अपने क्षेत्र के मठ, मंदिर, संत-महात्मा, आश्रम के कार्यक्रमों में उपस्थित रहना है। उसी दिन कारगिल के विजय सैनिकों का सम्मान करना है। प्रतिमा स्थलों पर स्मारकों पर पुष्पांजलि के कार्यक्रम कराना है। 28 जुलाई को सामूहिक रूप से प्रत्येक बूथों पर मन की बात का प्रसारण बूथ के सदस्यो के साथ सुनकर बूथ कि बैठक करना है।

कार्यकर्ताओं का सम्मान भाजपा में ही संभव है-मलैया- पूर्व मंत्री विधायक जयंत मलैया ने विधानसभा और लोकसभा में ऐतिहासिक जीत के लिए कार्यकर्ताओ को श्रेय दिया और बूथ स्तर के कार्यकर्ताओ का सम्मान करते हुए कहा कि भाजपा अपने सिद्धांतों पर चलने वाली एकमात्र पार्टी है।

कार्यकर्ताओं का जनता से निरंतर संपर्क ही जीत का आधार- सांसद राहुल सिंह - सांसद राहुल सिंह ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं का निरंतर जनता से संपर्क ही जीत का आधार हैं, भाजपा नियमित रूप से राष्ट्र को समर्पित होकर जन कल्याण के कार्य कर रही हैं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तीसरी बार सरकार बनाने के साथ प्रधानमन्त्री आवास योजना और किसान सम्मान निधि को स्वीकृति प्रदान की। मंडल अध्यक्ष देवकी नंदन पटेल ने मंडल के कार्यों की जानकारी दी, मंडल प्रभारी जिला कार्यालय मंत्री राम लाल उपाध्याय और जिला महामंत्री गोपाल पटेल ने बांसा मंडल के कार्यकर्ताओ की सराहना और सभी बूथों पर भाजपा को जिताने पर शुभकामनाए दी।

सामुदायिक भवन का लोकार्पण किया- सांसद राहुल सिंह ने जनता की सुविधा के 10 लाख की राशि से इमलिया लांजी ग्राम पंचायत के मंडपा धाम में निर्मित सामुदायिक भवन का लोकार्पण भी किया , कार्यक्रम स्थल पर एक पेड़ मां के नाम अन्तर्गत व्रक्षारोपण भी सभी अतिथियों द्वारा किया गया। मंडल कार्यसमिति बैठक मेंमंडल महामंत्री नरेन्द्र मिश्रा, विजय अहिरवार महामंत्री, अंगद सिंह, अशोक पटेल, सुरेंद्र सिंह तोमर, राजू ठाकुर, मयंक तोमर, दीपक परिहार, रजनीश जैन, अखलेश पटेल, गुड्डू मिश्रा नरयाण पटेल, राजेश पटेल, हिरदेश पटेल, कृष्ण कुमार पटेल, केदार पटेल एवं विभिन्न ग्राम पंचायतों के सरपंच सहित अनेक वरिष्ठ कार्यकर्त्ता उपस्थित थे।

22 जुलाई को पथरिया में परिक्षण शिविर का आयोजन

दिव्यांगजनों को नि :शुल्क किया जायेगा सहायक उपकरण व कैलीपर्स एवं कृत्रिम अंग प्रदाय

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, जिले की निकाय स्तर पर होने वाले दिव्यांगों के परीक्षण एवं सामग्री वितरण शिविरों की तिथि एवं स्थान नियत कर कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने जिले के समस्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी नगरपालिका परिषद को निर्देश जारी किये है। कलेक्टर कोचर ने कहा शिविर में अधिक से अधिक दिव्यांगजनों का परीक्षण किया जाये, ताकि वे अपनी पात्रता अनुसार लाभ प्राप्त कर सकें इसकी संपूर्ण जबावदारी संबंधित जनपद एवं नगरीय निकाय की होगी। परीक्षण शिविर में दिव्यांगजनों की उपस्थिति हेतु नगर पालिका के कचरा वाहन एवं अन्य माध्यम से पर्याप्त प्रचार-प्रसार कराया जाये। ग्रामीण क्षेत्रों में प्रचार-प्रसार हेतु जनपद पंचायत के समस्त ग्राम पंचायतों के सचिवों को निर्देशित किया जाये कि मुनादी आदि कराये, ग्राम पंचायत भवन में शिविर आयोजन की तिथि सूचना

पटल पर लेख की जाये। शिविर स्थल पर पर्याप्त साफ-सफाई, पानी बैठने इत्यादि की समुचित व्यवस्था की जाये ताकि उपस्थित होने वाले दिव्यांगजनों को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। साथ ही परीक्षण हेतु एलिम्को जबलपुर से आने वाले परीक्षण दल को टेबिल कुर्सी आदि की पर्याप्त व्यावस्था भी रखी जाये। आयोजन में सभी निकाय अपने कर्मचारी की ड्यूटी लगायें जिसकी प्रति संबंधित जनपद के सी.ई.ओ. एवं जिला कार्यालय को अनिवार्यतः उपलब्ध कराई जाये। आयोजन के नोडल अधिकारी सी.ई.ओ. जनपद पंचायत होगें। कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने कहा जनपद पंचायत पथरिया एवं नगर परिषद पथरिया हेतु मुख्यालय जनपद पंचायत पथरिया में परीक्षण शिविर 22 जुलाई एवं उपकरण वितरण कैंप 08 अगस्त को, जनपद पंचायत पटेरा एवं नगर परिषद पटेरा हेतु मुख्यालय जनपद पंचायत पटेरा में परीक्षण शिविर 23 जुलाई एवं उपकरण वितरण कैंप 09 अगस्त को, जनपद पंचायत बटियागढ हेतु मुख्यालय जनपद पंचायत बटियागढ में परीक्षण शिविर 24 जुलाई एवं उपकरण वितरण कैंप 16 अगस्त को, जनपद पंचायत तेन्दूखेड़ा एवं नगर परिषद तेन्दूखेड़ा हेतु मुख्यालय जनपद पंचायत तेन्दूखेड़ा में परीक्षण शिविर 25 जुलाई एवं उपकरण वितरण कैंप 22 अगस्त को तथा जनपद पंचायत जबेरा हेतु मुख्यालय जनपद पंचायत जबेरा में परीक्षण शिविर 26 जुलाई एवं उपकरण वितरण कैंप 23 अगस्त 2024 को प्रातः 11 बजे से शाम 05 बजे तक आयोजित किये जायेंगे।

डिजिटल क्रॉप सर्वेक्षण के तहत कार्यवाही पूर्ण करने हेतु स्थानीय युवा के पंजीयन एवं प्रशिक्षण का प्रावधान

जिला एवं तहसील स्तरीय समिति का किया गठन

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, जिले के समस्त अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं तहसीलदार, नायब तहसीलदार से कहा है, मौसम खरीफ 2024 में डिजिटल क्रॉप सर्वेक्षण के तहत कार्यवाही पूर्ण करने हेतु राज्य शासन द्वारा निर्देश जारी किये गये है। इसमें स्थानीय युवा के पंजीयन एवं प्रशिक्षण हेतु प्रावधान किये गये है। एग्रीस्टैक परियोजना के तहत जिला एवं तहसील स्तरीय समिति का गठन किया है जो डिजिटल क्रॉप सर्वेक्षण कार्य की समीक्षा करेगी। जिला स्तरीय समिति में अध्यक्ष कलेक्टर होंगे तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अर्पित वर्मा, प्रभारी अधिकारी भू-अभिलेख ब्रजेश कुमार सिंह, उप संचालक कृषि जितेन्द्र सिंह राजपूत, उप संचालक उद्यानिकी यश कुमार सिंह, जिला खाद्य अधिकारी राजेश पटेल, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी योगेन्द्र सिंह ठाकुर एवं जिला ई-गवर्नेंस प्रबन्धक महेश अग्रवाल को समिति का सदस्य एवं भू-अभिलेख अधीक्षक डॉ सरेखा यादव को सदस्य सचिव नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार तहसील स्तरीय समिति में अनुभाग वार अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) को अध्यक्ष, तहसीलवार तहसीलदार को सदस्य सचिव और वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, वरिष्ठ उद्यानिकी अधिकारी एवं सहायक ई-गवर्नेंस प्रबन्धक को सदस्य नियुक्त किया गया है। स्थानीय युवा (सर्वेयर) पंजीयन एवं प्रशिक्षण डिजिटल क्राप सर्वेक्षण कार्य हेतु स्थानीय युवा (आयु 18 से 40 वर्ष) जो आठवी कक्षा उत्तीर्ण है और जिनके पास मोबाइल फोन (ठ्ठस्त्रह्म्श्चद्बस्त्र वर्जन 6+ में इंटरनेट सुविधा सहित) उपलब्ध हो, मध्यप्रदेश भू-लेख पोर्टल पर पंजीयन कर सकेगें। पंजीकृत युवाओं में से डिजिटल क्राप सर्वेक्षण हेतु स्थानीय युवा का चयन व ग्राम का आवंटन एग्रीस्टेक परियोजना के तहत डिजिटल क्राप सर्वेक्षण कार्य की समीक्षा हेतु गठित तहसील स्तरीय समिति द्वारा किया जायेगा। समिति के अनुमोदन उपरांत भू-लेख पोर्टल पर तहसीलदार के लॉगिन के माध्यम से चयनित युवा को ग्राम का आवंटन किया जायेगा। चयन में ग्राम के युवा को प्राथमिकता दी जायेगी। ग्राम में उपयुक्त युवा न होने पर ग्राम पंचायत में निवासरत युवा को प्राथमिकता दी जायेगी। ग्राम पंचायत में उपयुक्त युवा उपलब्ध न होने पर निकटतम ग्राम पंचायत में से स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता दी जायेगी। स्थानीय युवाओं के चयन में महिलाओं को प्राथमिकता दी जा सकेगी। चयनित स्थानीय युवाओं को प्रशिक्षण देने का कार्य मास्टर ट्रेनर/राजस्व निरीक्षक/ पटवारी द्वारा किया जायेगा।

अवैध खनन करने वालों पर होगी एफआईआर : डीएम मनीष बंसल

उपखनिजों के परिवहन में बिना माइनटैग के वाहनों पर होगी कडी कार्यवाही : डीएम मनीष बंसल

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में अवैध खनन एवं परिवहन को रोकने हेतु जिला टास्क फोर्स की बैठक आहूत की गयी। बैठक में डीएम मनीष बंसल ने कहा कि अवैध खनन एवं परिवहन पर पूर्ण रूप से अंकुश लगाते हुए वैध खनन को प्रेरित कर राजस्व में बढ़ोत्तरी की जाए। उन्होंने कडे निर्देश दिए बार-बार और संगठित रूप से अवैध खनन करने वालो के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराई जाए। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने कहा कि अवैध खनन व परिवहन में संलिप्त वाहनों पर कडी कार्यवाही की जाए। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि जनपद में उप खनिजों के परिवहन में प्रयुक्त वाहनों द्वारा माईनटैग का शत-प्रतिशत प्रयोग हो। उन्होंने निर्देश दिए कि खनिजों का परिवहन करने वाले सभी वाहनों में हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन नम्बर प्लेट अनिवार्य रूप से लगी होनी चाहिए। इसके लिए सघन प्रवर्तन अभियान चलाकर हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन नम्बर प्लेट लगाने की कार्यवाही सुनिश्चित करायें।

डीएम मनीष बंसल ने कहा कि अगर किसी थानाध्यक्ष के क्षेत्र में होने वाले अवैध खनन की सूचना जिला टास्क फोर्स को नहीं दी गई तो संबंधित थानाध्यक्ष की जिम्मेदारी तय की जाएगी। डीएम मनीष बंसल ने कहा कि अन्तर्राज्जीय सीमा पर लगे हुए मार्गों पर जिला टास्क फोर्स के सदस्यों को सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए। बिना रॉयल्टी एवं फर्जी रॉयल्टी वालो पर कड़ी कार्यवाही की जाए। उन्होंने कहा कि टास्कफोर्स क्षेत्र का निरंतर भ्रमण करती रहे। ओवरलोड वाहनों के अवैध संचालन पर प्रभावी अंकुश लगाने के निर्देश दिए। अपर आयुक्त राज्य कर को निर्देशित किया कि अवैध परिवहन में संलिप्त वाहनों के पकड़े जाने की सूचना जिला टास्क फोर्स समिति को नियमित रूप से दी जाए। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रोहित सिंह सजवान ने सभी क्षेत्राधिकारियों को निर्देशित किया कि यमुना नदी के किनारे अवैध खनन करने वाले व्यक्तियों को चिन्हित कर उन पर कड़ी कार्यवाही की जाए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व रजनीश कुमार मिश्र, एसपी देहात सागर जैन, उपजिलाधिकारी सदर युवराज सिंह, उप जिलाधिकारी नकुड संगीता राघव, उप जिलाधिकारी बेहट मानवेंद्र सिंह, एआरटीओ एमपी सिंह, खनन अधिकारी सुभाष सिंह, अपर आयुक्त राज्यकर प्रशांत कुमार, समस्त सीओ सहित संबंधित पुलिस अधिकारीगण उपस्थित रहे।

रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव जबलपुर में बोले संस्कृति पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री धर्मेंद्र लोधी

मध्यप्रदेश में पर्यटन के क्षेत्र में निवेश की अपार संभावनाएं

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह। प्रदेश सरकार के मंत्री धर्मेंद्र लोधी ने जबलपुर में इन्वेस्ट समिट को संबोधित करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश में वर्ष 2023 में रिकॉर्ड 11 करोड़ से अधिक पर्यटक मध्यप्रदेश में आए, 5 करोड़ से अधिक पर्यटकों द्वारा उज्जैन महाकाल महालोक के दर्शन किए गए। सार्वजनिक निजी भागीदारी के तहत पीएमश्री पर्यटन वायु सेवा प्रारंभिक तौर पर 8 शहरों इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर,सी रीवा, सिंगरोली, खजुराहो एवं उज्जैन शहरों के मध्य 13 जून 2024 से प्रारंभ की गई। महिलाओं हेतु सुरक्षित पर्यटन स्थल परियोजना अंतर्गत विद्यालय, महाविद्यालय एवं कौशल प्रशिक्षण की 34,772 बालिकाओं एवं युवतियों को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दिया गया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में नये पर्यटन स्थल विकसित करने की दृष्टि से गांधी सागर, कूनो व

चंदेरी में 10 वर्ष के लिए अत्याधुनिक सुविधायुक्त टेंटसिटी प्रारंभ किए गए। क्राफ्ट हैण्डलूम टूरिज्म विलेज प्राणपुर, चन्देरी, जिला अशोकनगर का शुभारंभ किया गया। देश में सर्वाधिक 11 नई NESCO World Heritage Sites की संभावित सूची में सम्मिलित हुई हैं। यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर स्थल की सूची में मध्यप्रदेश की 6 विरासत संपतियों)। ग्वालियर किला, मध्य प्रदेश, ii. खूनी भंडारा, बुरहानपुर, iii. चंबल घाटी के रॉक आर्ट स्थल, i1. भोजेश्वर महादेव मंदिर, भोजपुर, 1. रामनगर, मंडला के गौंड स्मारक, 1द्व. धामनार का ऐतिहासिक मंदिर समूह को शामिल किया गया है जो कि देश में सर्वाधिक है। मंत्री धर्मेंद्र लोधी ने निवेशकों को संबोधित करते हुए कहा प्रदेश में 70 भूमि एवं 16 हेरिटेज परिसम्पतियां अब तक आवंटित की जाकर पर्यटन परियोजनाओं का निर्माण कार्य किया जा रहा है व भविष्य की परियोजनाओं हेतु 1276 हेक्ट भूमि का लैंड बैंक उपलब्ध है। फिल्म पर्यटन नीति अंतर्गत नवीन सिनेमा हाल के निर्माण पर 75 लाख तक का अनुदान हमारी सरकार द्वारा दिया जा रहा है। वर्ष 2020 में राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मोस्ट फिल्म फ्रेंडली स्टेट का अवार्ड भी प्राप्त हुआ एवं नीति अंतर्गत प्रदेश में अब तक 450 से अधिक फिल्मों की शूटिंग हो चुकी है, अनेकों फिल्मों की शूटिंग चल रही है। रिस्पॉन्सिबल टूरिज्म मिशन के तहत विभिन्न परियोजनाएं जैसे ग्रामीण पर्यटन, महिलाओं के लिए सुरक्षित पर्यटन स्थल, प्रोजेक्ट क्लीन डेस्टिनेशन, रिस्पॉन्सिबल सुविनियर, होमस्टे, ग्राम स्टे, फार्म स्टे इत्यादि क्रियान्वित की जा रही हैं।

दमोह के इमलाई में 26 को विशाल नेत्र शिविर का आयोजन

परिवर्तन हेल्थ एजुकेशन वेलफेयर सोसाइटी द्वारा किया जा रहा आयोजन

धीरज कुमार अहीरवाल। सिटी चीफ दमोह, ग्राम पंचायत इमलाई के उप सरपंच एडवोकेट रमेश श्रीवास्तव चाहते हैं कि उनके ग्राम में गरीब निर्धन लोगों को जो इलाज कराने में सक्षम नहीं है उन्हें इलाज उपलब्ध हो द्य उप सरपंच रमेश श्रीवास्तव के सहयोग से ग्राम पंचायत इमलाई मे परिवर्तन हेल्थ एजुकेशन वेलफेयर सोसाइटी द्वारा नेत्र शिविर का आयोजन किया जा रहा है. स्वयंसेवी संस्था परिवर्तन हेल्थ एजुकेशन वेलफेयर सोसाइटी समय-समय पर विशाल चिकित्सा शिविर का आयोजन करती आ रही है संस्था का उद्देश्य गरीब लोगों को समय पर उचित इलाज प्रदान कराना है। जिसके लिए यह चिकित्सा शिविर का आयोजन करती आ रही है आगामी 26 जुलाई को ग्राम पंचायत इमलाई मे श्री सद्गुरु सेवा संस्था ट्रस्ट जानकीकुंड सतना के सहयोग से चित्रकूट डॉक्टरों द्वारा विशाल नेत्र चिकित्सा शिविर का

आयोजन किया जा रहा है आमजन से अपील है कि अधिक से अधिक संख्या में इस शिविर में पहुंचे और चिकित्सा लाभ लें ।जिन लोगों के ऑपरेशन होंगे उन्हें संस्था द्वारा नि ःशुल्क चित्रकूट भेजा जाएगा जहां पर रहने खाने की व्यवस्था रहेगी। मरीज अपने साथ आधार कार्ड की फोटोकॉपी जरूर लाएं।

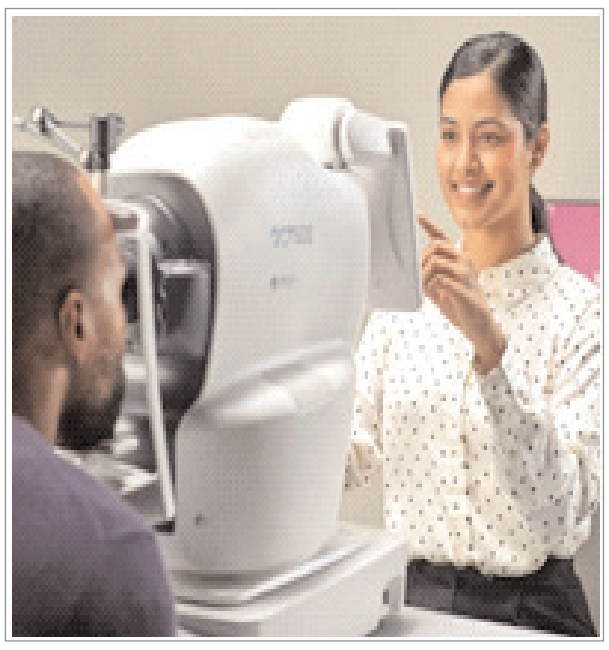

डीएम एवं एसएसपी ने किया कांवड मार्ग का निरीक्षण

अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में रहें भ्रमणशील, शिवभक्त कांवडियों को न हो किसी प्रकार की असुविधा : डीएम मनीष बंसल

गौरव सिंघल । सिटी चीफ देवबंद । सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रोहित सिंह सजवान द्वारा आगामी कांवड-यात्रा को सकुशल सम्पन्न कराये जाने हेतु कांवड़ियों की सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत थाना क्षेत्र देवबन्द से मंगलौर बार्डर उत्तराखण्ड तक मुख्य कावड़ यात्रा मार्ग का निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर डीएम एवं एसएसपी ने सिद्धपीठ श्री मनकेश्वर महादेव मंदिर मानकी में पूर्जा-अर्चना की। उन्होंने नगर पालिका परिसर देवबन्द में पौधारोपण भी किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी मनीष बंसल ने बताया कि कांवड मार्ग पर श्रद्धालुओं के आवागमन के दृष्टिगत सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्ण कर ली गयी है। साथ ही सभी अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र में निरंतर भ्रमण करते रहने के निर्देश दिए गये है। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पडे। उन्होंने सभी शिवालयों में साफ-सफाई के

साथ ही सुरक्षा की बेहतर व्यवस्था के निर्देश दिए। उन्होंने लोक निर्माण विभाग को निर्देश दिए कि वर्षा के कारण जिन स्थानों पर जल भराव हुआ है उन्हें तत्काल दुरस्त कर सुनिश्चित करें कि दोबारा जलभराव न हो। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रोहित सिंह सजवान ने कहा कि सम्पूर्ण कांवड मार्ग एवं शिविरों में कांवडियों की सुरक्षा के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्ण कर ली गयी है।

इसी के साथ आवश्यकतानुसार पुलिस कर्मियों की ड्यूटी लगा दी गयी है। उन्होंने सभी पुलिस क्षेत्राधिकारियों को निर्देश दिए कि अपने क्षेत्र में निरंतर भ्रमणशील रहें। सुनिश्चित कराएं कि कांवडियों के साथ ही आमजन को भी आवागमन में असुविधा न हो। निरीक्षण के दौरान एसपी देहात सागर जैन, एसडीएम देवबन्द अंकुर वर्मा सहित संबंधित विभागों के अधिकारीगण एवं पुलिस क्षेत्राधिकारी उपस्थित रहे।

श्री राम कृष्ण योगाश्रम इंटर कॉलेज देवबंद में उत्तर प्रदेश सरकार से प्राप्त 100 पौधों का रोपण किया गया

इस अवसर पर प्रबंधक, प्रधानाचार्य व अन्य लोग उपस्तिथ रहे

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर । देवबंद, श्री राम कृष्ण योगाश्रम इंटर कॉलेज देवबंद के प्रधानाचार्य अरूण कुमार गोयल ने बताया कि आज कालेज में उत्तर प्रदेश सरकार से प्राप्त 100 पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर संस्था की प्रबंधक साध्वी आशु, प्रधानाचार्य अरूण कुमार गोयल, वरिष्ठ अध्यापक सुभाष चंद्र, सतेंद्र कुमार, मोहित आनंद, विनोद कुमार सहित समस्त विद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

उज्जैन नगर निगम अंतर्गत सभी शासकीय/अशासकीय स्कूलों में सोमवार को रहेगा अवकाश

उज्जैन। भगवान श्री महाकाल की सवारियों के संबंध में उज्जैन कलेक्टर श्री नीरज कुमार सिंह और पुलिस अधीक्षक श्री प्रदीप शर्मा द्वारा आज प्रशासनिक संकुल भवन में मीडिया प्रतिनिधियों को जानकारी दी गई। प्रशासक श्री महाकालेश्वर मंदिर श्री मृणाल मीना द्वारा पावरप्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से समुचित व्यवस्थाओं के संबंध विस्तृत जानकारी दी गई। कलेक्टर श्री सिंह ने बताया कि निर्धारित रेट लिस्ट से अधिक पैसा लेने वाले होटलों को सील किया जाएगा। साथ ही उनके पंजीयन निरस्त करने की कार्रवाई भी की जाएगी। उन्होंने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री जी की मंशानुरूप बाबा महाकाल की सवारी में जनजातीय कलाकारों का दल भी सहभागिता करेगा। उन्होंने बताया कि 2 चलित रथ के माध्यम से बाबा महाकाल की सवारी का लाइव प्रसारण किया जाएगा। इस चलित रथ की विशेषता यह है कि इसमें लाइव बॉक्स रहेगा, जिससे लाइव प्रसारण निर्बाध रूप से होगा। उन्होंने बताया कि श्रावण मास की सवारियों के दृष्टिगत उज्जैन नगर निगम अंतर्गत शासकीय और अशासकीय विद्यालयों में अध्यनरत कक्षा 1 से कक्षा 12वीं तक के सभी विद्यार्थियों का सोमवार को अवकाश रहेगा। पुलिस अधीक्षक श्री प्रदीप शर्मा ने बताया कि बाबा महाकाल की सवारियों के सुव्यवस्थित आयोजन के लिए 2000 से अधिक का पुलिस बल और वॉलिंटियर्स तैनात रहेंगे। सवारी मार्ग पर पड़ने वाली विभिन्न गलियों का वेरिफिकेशन किया जा चुका है। रविवार सुबह से भौतिक सत्यापन की कार्रवाई भी की जाएगी। पांच ड्रोन के माध्यम से संपूर्ण सवारी मार्ग की निगरानी होगी। श्रद्धालुओं के सुगम दर्शन और यातायात प्रबंधन के लिए डबल लेयर बैरिकेडिंग की गई है। इसी के साथ कम समय में यातायात सुचारु करने के लिए बफर जोन भी बनाया गया है। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए संदिग्ध लोगों की जांच कर बाउंडओवर और प्रतिबंधात्मक कार्रवाई भी की जा रही है।

इजराइल ने यमन में हूती विद्रोहियों के कई ठिकानों पर किया हमलाः इजराइली सेना

साना- हूती विद्रोहियों द्वारा तेल अवीव शहर में किए गए घातक ड्रोन हमले के एक दिन बाद इजराइल ने जवाबी कार्रवाई करते हुए पश्चिमी यमन में विद्रोही समूह के कई ठिकानों पर हमला किया। इजराइली सेना ने यह जानकारी दी। इजराइल-हमास के बीच अक्टूबर से युद्ध शुरू होने के बाद यह इजराइल द्वारा यमन की धरती पर किया गया पहला हमला प्रतीत होता है। इजराइली सेना ने बताया कि हूतियों के गढ़ माने जाने वाले पश्चिमी बंदरगाह शहर हुदयदाह में उसके कई ठिकानों पर हमला किया गया। उसने कहा कि हाल के महीनों में इजराइल पर किए गए सैंकड़ों हमलों के जवाब में यह कार्रवाई की गई है। हूती विद्रोही समूह के प्रवक्ता मोहम्मद अब्दुलसलाम ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, यमन पर इजराइली हमला किया गया, जिसमें ईंधन भंडारण सुविधाओं और बिजली संयंत्रों को निशाना बनाया गया। अब्दुलसलाम ने कहा कि इजराइल इन हमलों से लोगों की पीड़ा को और बढ़ाना चाहता था। उसने कहा कि साथ ही यमन पर गाजा का समर्थन बंद करने का दबाव बनाने के लिए ये हमला किया गया। अब्दुल्सलाम ने कहा कि ये हमले यमन के लोगों और उसके सशस्त्र बलों को गाजा का समर्थन करने के लिए और अधिक मजबूत बनाएंगे। यमन में सुप्रीम पॉलिटिकल काउंसिल के मोहम्मद अली अल-हूती ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, इसके जवाब में कई घातक हमले किए जाएंगे। यमन में हूती विद्रोहियों द्वारा नियंत्रित मीडिया समूह अल-मसीराह टीवी ने बताया कि इजराइल ने बंदरगाह पर तेल और डीजल के भंडारण सुविधाओं और स्थानीय बिजली कंपनियों को निशाना बनाया है, जिसके कारण कई लोगों की मौत हुई है और कई गंभीर रूप से झुलस गए हैं। इसने बताया कि इस हमले से बंदरगाह पर आग लग गई है और विद्युत आपूर्ति ठप हो गई। यमन में स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि इजराइली हमले में कई लोग मारे गए और अन्य घायल हुए, लेकिन उन्होंने इस बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी।

बांग्लादेश में 'देखते ही गोली मारने' के आदेश

अमेरिका ने अपने नागरिकों के लिए जारी की ट्रेवल एडवाइजरी

वाशिंगटन- अमेरिका ने बांग्लादेश में जारी हिंसा के मद्देनजर अपने नागरिकों को दक्षिण एशियाई देश की यात्रा न करने का परामर्श दिया है। उसने अपने गैर-आपातकालीन सरकारी कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों को स्वैच्छिक रूप से वहां से आने की अनुमति दे दी है। इससे एक दिन पहले, अमेरिका ने बांग्लादेश के लिए एक नया यात्रा परामर्श जारी कर अमेरिकी नागरिकों से हिंसा से जूझ रहे देश की यात्रा से पहले पुनर्विचार करने का आग्रह किया था। बांग्लादेश में सरकारी नौकरियों में आरक्षण के खिलाफ हिंसा भड़कने के कुछ दिन बाद शनिवार को प्राधिकारियों ने पूरे देश में सख्त कर्फ्यू लागू कर दिया और सैन्य बलों ने राष्ट्रीय राजधानी ढाका के विभिन्न हिस्सों में गश्त की। बांग्लादेश में हिंसा भड़कने से 40 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और सैकड़ों लोग घायल हुए हैं। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने बांग्लादेश के लिए यात्रा परामर्श के स्तर को बढ़ाकर स्तर-चार (यात्रा नहीं करें) कर दिया है। विदेश मंत्रालय ने कहा, ''अशांति, अपराध और आतंकवाद के कारण बांग्लादेश की यात्रा न करें। उसने कहा, ''मंत्रालय ने गैर-आपातकालीन अमेरिकी सरकारी कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों को बांग्लादेश से स्वैच्छिक प्रस्थान की अनुमति दे दी है।

हवाई हमले में मारी गई महिला के गर्भ से जन्मा जिंदा बच्चा

मासूम को बिन मां के काटना होगा जीवन

दीर अल-बलाह- इजराइल की ओर से मध्य गाजा के शरणार्थी शिविरों पर शनिवार रात किये गये तीन हवाई हमलों में कम से कम 13 लोग मारे गए, लेकिन हमले में जान गंवाने वाली एक फलस्तीनी महिला के गर्भ में पल रहे बच्चे का चिकित्सकों के प्रयास से सकुशल जन्म हो सका। फलस्तीन के स्वास्थ्य अधिकारियों ने हमले में 13 लोगों की मौत की पुष्टि की है। इस बीच काहिरा में इजराइल और हमास के बीच संघर्ष विराम वार्ता में प्रगति होती दिख रही है। शवों को पास के अल-अक्सा शहीद अस्पताल में ले जाने वाली फलस्तीन की एम्बुलेंस टीम के अनुसार, नुसीरात शरणार्थी शिविर और ब्यूरिज शरणार्थी शिविर के मृतकों में तीन बच्चे और एक महिला शामिल थी।

पत्रकारों ने अस्पताल में 13 लाशों की गिनती की। युद्ध से तबाह गाजा में हताहतों की अद्यतन संख्या के बाद आशा का एक दुर्लभ क्षण तब आया, जब बृहस्पतिवार देर शाम नुसीरात में हवाई हमले की चपेट में आए एक घर में रहने वाली गर्भवती फलस्तीनी महिला के दम तोड़ने के बाद उसके गर्भ से चिकित्सा दल ने एक जीवित बच्चे को बरामद किया। हमले के दौरान विस्फोट में गर्भवती महिला ओला-अल-कुर्द (25) ने छह अन्य लोगों के साथ दम तोड़ दिया। इसके बाद बच्चे को बचाने की मंशा से उसे आकस्मिक सेवा के कर्मियों की ओर से उत्तरी गाजा में स्थित अल-आवदा अस्पताल ले जाया गया। कई घंटे बाद चिकित्सकों ने बताया कि शिशु बालक का सकुशल जन्म हुआ। डॉ. खलील दजरान ने कहा कि अज्ञात नवजात शिशु की हालत स्थिर है, लेकिन वह ऑक्सीजन की कमी से पीड़ित है जिसके कारण उसे 'इनक्यूबेटर% में रखा गया है। इस हमले में बच्चे के पिता भी घायल हो गए, लेकिन वह बच गए हैं। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, दक्षिणी इजराइल पर सात अक्टूबर को हमास के हमले के बाद शुरू हुए युद्ध में 38,900 से अधिक लोग मारे गए हैं। हालांकि, स्वास्थ्य मंत्रालय अपनी गिनती में लड़ाकों और नागरिकों के बीच अंतर नहीं करता है।

हादसाग्रस्त बसों के लापता यात्रियों की तलाश के लिए 12 सदस्यीय भारतीय दल पहुंचा नेपाल

काठमांडू- नेपाल में पिछले सप्ताह एक उफनती नदी में लापता हुए कई यात्रियों और दो बसों की तलाश के लिए भारत से बचाव कर्मियों का 12 सदस्यीय दल शनिवार को इस हिमालयी देश पहुंचा। नेपाली अधिकारियों के अनुरोध पर यह दल चितवन पहुंचा।

नेपाल के अधिकारियों ने 12 जुलाई को भूस्खलन के बाद त्रिशूली नदी में बह गई बसों की तलाश के लिए भारत से सहायता मांगी थी। नारायणघाट-मुग्लिन सड़क खंड पर 65 यात्रियों को ले जा रही बसों के हादसे के शिकार होने और त्रिशूली नदी में बह जाने के बाद 19 शव बरामद किए गए। तीन यात्री किसी तरह बस से बाहर निकलने में सफल रहे और तैरकर किनारे पर पहुंच गए।

ट्रंप पर हमला करने वाले बंदूकधारी ने रैली से पहले कार्यक्रम स्थल पर उड़ाया था ड्रोनः अधिकारी

वाशिंगटन- ऐसा माना जा रहा है कि डोनाल्ड ट्रंप की हत्या की कोशिश करने वाले बंदूकधारी ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति के निर्धारित कार्यक्रम से पहले पेनसिल्वेनिया रैली स्थल के आसपास ड्रोन उड़ाया था, ताकि कार्यक्रम से पहले जगह का जायजा लिया जा सके। यह जानकारी एक कानून प्रवर्तन अधिकारी ने शनिवार को दी। संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) ने ड्रोन बरामद कर लिया है। फबीआई पिछले शनिवार को रैली में 20 वर्षीय थॉमस मैथ्यू क्रुक्स द्वारा की गई गोलीबारी के मामले की जांच का नेतृत्व कर रही है। क्रुक्स ने उस 'बटलर फार्म शो के मैदान के पास स्थित एक इमारत की छत से कई गोलियां चलाईं, जहां ट्रंप भाषण दे रहे थे। इसके बाद 'सीक्रेट सर्विस के स्नाइपर की गोली लगने से क्रुक्स की मौत हो गई। ड्रोन का विवरण देने वाले अधिकारी इस मामले पर सार्वजनिक रूप से बयान देने के लिए अधिकृत नहीं हैं और उन्होंने उनका नाम न छापने की शर्त पर 'एसोसिएटेड प्रेस से बात की। ड्रोन के बारे में विस्तृत जानकारी सबसे पहले 'वॉल स्ट्रीट जर्नल ने दी थी।

रैली के दौरान हुए हमले में एक गोली ट्रंप के कान को छूते हुए निकल गई थी। ट्रंप को निशाना बनाकर की गई गोलीबारी में 50 वर्षीय अग्निशमन कर्मी कोरी कॉम्पेरेटोरे की मौत हो गई थी और दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

ब्रिटेन में लेबर पार्टी की जीत का भारत ब्रिटेन संबंधों पर क्या होगा असर?

इंटरनेशनल डेस्क- प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने भारतीय प्रवासियों तक पहुंचने और पार्टी को पिछले नेतृत्व के तहत कथित शत्रुतापूर्ण रुख से दूर रखने का प्रयास किया। स्टारमर ने भारत के साथ मजबूत व्यापारिक संबंध बनाने का संकल्प लिया। डॉ. संदीप शर्मा लिखते हैं कि यू.के. में 14 वर्षों में पहली बार सरकार बदली है, जब लेबर पार्टी ने आम चुनाव में भारी जीत हासिल की, जिसमें कंजर्वेटिव पार्टी को अब तक की सबसे बड़ी हार का सामना करना पड़ा। ब्रिटेन में नए प्रधानमंत्री कीर स्टारमर के भारी बहुमत ने भारत के साथ देश के संबंधों में एक नए अध्याय का मार्ग प्रशस्त किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्टारमर को उल्लेखनीय जीत के लिए बधाई दी। मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मैं सभी क्षेत्रों में भारत-ब्रिटेन व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने, आपसी विकास और समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए हमारे सकारात्मक और रचनात्मक सहयोग की आशा करता हूं। नए प्रधानमंत्री कीर स्टारमर एक पूरी तरह से अलग लेबर पार्टी का नेतृत्व कर रहे हैं, जो लेबर पार्टी के ऐतिहासिक भारत विरोधी रुख से बहुत दूर चली गई है। कीर स्टारमर के नेतृत्व वाली नई लेबर सरकार के साथ ब्रिटेन के साथ भारत के संबंधों में क्रमिक विकास की उम्मीद की जा सकती है, जिसने हाउस ऑफ कॉमन्स में 650 में से 410 सीटें जीती हैं। स्टारमर के नेतृत्व वाली लेबर पार्टी ने भारत के साथ घनिष्ठ संबंधों के महत्व पर जोर दिया है।

गुरु पूर्णिमा के दिन करें कुछ खास, मिलेगी हर समस्याओं से छुटकारा, घर आएंगी खुशियां

नेशनल डेस्क - गुरु पूर्णिमा एक महत्वपूर्ण अवसर है, जो गुरु-शिष्य परंपरा को मान्यता देने के लिए मनाया जाता है। यह दिन आस्था, ज्ञान, और सम्मान का प्रतीक होता है। इस दिन को विशेष रूप से महत्व देने से आप अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव और खुशियों का स्वागत कर सकते हैं। गुरु पूर्णिमा न केवल एक धार्मिक पर्व है, बल्कि यह एक अवसर है जब लोग अपने गुरु के प्रति सम्मान प्रकट करते हैं और उनके मार्गदर्शन को स्वीकार करते हैं। यह दिन गुरु की शिक्षाओं को अपनाने, आभार प्रकट करने और जीवन को बेहतर बनाने के लिए समर्पित होता है। इस प्रकार, गुरु पूर्णिमा आध्यात्मिक उन्नति, ज्ञान, और सांस्कृतिक समृद्धि का प्रतीक है। यहाँ कुछ उपाय दिए जा रहे हैं जिनसे आप समस्याओं से छुटकारा पा सकते हैं और घर में खुशियों का माहौल बना सकते हैं-

1. गुरु का पूजन और आभार

पूजन- इस दिन अपने गुरु या शिक्षक की पूजा करें, चाहे वह आपके जीवन में किसी भी रूप में हों। आप उनकी तस्वीर या मूर्ति के सामने दीपक जलाएं, उन्हें फूल अर्पित करें और अपने मन की गहराइयों से उन्हें धन्यवाद दें।

आभार- गुरु के प्रति आभार प्रकट करें। यदि आप अपने गुरु से व्यक्तिगत रूप से मिल सकते हैं, तो उन्हें धन्यवाद कहें और उनके आशीर्वाद प्राप्त करें।

2. ध्यान और साधना

ध्यान- इस दिन ध्यान लगाएं और मानसिक शांति प्राप्त करें। ध्यान से मानसिक स्थिति में सुधार होता है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

साधना- अपने नियमित साधना या योगाभ्यास को इस दिन विशेष रूप से करें। यह आपके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाएगा।

3. साधारण और सजग जीवन

स्वच्छता- घर और आसपास की जगह की सफाई करें। स्वच्छता से घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होता है।

सजगता- इस दिन कोई नया कार्य शुरू करने से पहले सोच-समझकर निर्णय लें और ध्यानपूर्वक करें। सजगता से समस्याओं का समाधान जल्दी मिलता है।

4. दान और सेवा

दान- जरूरतमंदों को भोजन, वस्त्र या अन्य आवश्यक सामान दान करें। दान करने से मन को शांति मिलती है और अच्छे कर्मों का फल मिलता है।

सेवा- समाज की सेवा करें, जैसे कि वृद्धाश्रम, अनाथालय या किसी अन्य संस्थान में सहायता प्रदान करें। इससे आपके कर्मों में सकारात्मकता आएगी।

5. परिवार के साथ समय बिताएं

परिवारिक आयोजन- घर में एक छोटी सी पूजा या धार्मिक आयोजन करें। यह आपके परिवार के सदस्यों को एक साथ लाएगा और आपसी रिश्तों को मजबूत करेगा।

खुशियाँ बाँटें- परिवार के साथ मिलकर खुशी के पल बिताएं, जैसे कि एक साथ भोजन करना, खेलना या बातचीत करना। इससे घर में खुशी का माहौल बनेगा।

गौरीकुंड-केदारनाथ पैदल मार्ग पर भूस्खलन, तीन श्रद्धालुओं की मौत; कईयों के दबे होने की आशंका

नेशनल डेस्क- मॉनसून के आगमन के साथ ही उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्रों में जीवन कठिन हो जाता है। रविवार सुबह गौरीकुंड-केदारनाथ पैदल मार्ग पर एक बड़ा हादसा हुआ। चीड़वासा में अचानक पहाड़ी से मलबा गिरने लगा, जिससे तीन श्रद्धालुओं की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए। ऐसा माना जा रहा है कि मलबे में अभी भी कई तीर्थयात्री फंसे हो सकते हैं। एनडीआरएफ समेत कई एजेंसियां रेस्क्यू ऑपरेशन चला रही हैं और राहत एवं बचाव कार्य जारी है।

आपदा प्रबंधन अधिकारी का बयान

रुद्रप्रयाग के जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि हादसा सुबह करीब साढ़े सात बजे गौरीकुंड-केदारनाथ पैदल मार्ग पर चीरबासा के पास हुआ, जहां पहाड़ी से मलबा और भारी पत्थर नीचे गिरने लगे। रजवार के अनुसार, घटना की सूचना मिलते ही राहत एवं बचाव दल मौके पर पहुंचे और बचाव अभियान शुरू किया। उन्होंने बताया कि मलबे से अब तक तीन लोगों के? शव बरामद किए जा चुके हैं, जबकि एक व्यक्ति को घायल अवस्था में बाहर निकाला गया है।

भारी बारिश के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी

मौसम विभाग ने उत्तराखंड के कई इलाकों में भारी बारिश की चेतावनी दी है। देहरादून स्थित मौसम विभाग कार्यालय ने आगामी दिनों में कुमाऊं, गढ़वाल और देहरादून सहित कई मैदानी इलाकों में मध्यम से भारी बारिश की संभावना जताई है। कुमाऊं के अधिकांश जिलों में अगले 24 से 48 घंटे तक भारी से अति भारी बारिश के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है, जबकि गढ़वाल के अधिकांश जिलों और राजधानी देहरादून व मैदानी इलाकों में भारी बारिश के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। आईएमडी के मुताबिक, उत्तराखंड के विभिन्न स्थानों पर गरज और चमक के साथ भारी बारिश हो सकती है।

बीते साल भी हुआ था हादसा

पिछले साल भी गौरीकुंड में भूस्खलन हुआ था, जिससे तीन दुकानें टूट गई थीं। इन दुकानों में मौजूद लोगों की मौत हो गई थी और कई लापता हो गए थे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569